

16252

50908



50908

सीन्दू चरुहरी (सटीक)

विष्णु - (समचन्द्र)



श्रीगुरुवेमिदयेनमः॥

श्रीगालमयनमः॥ ॥ श्रीदेवैभिर्दिग्गयितैरनमः॥ ॥ ॥ ॐ॥  
ॐ वरं वरं भगवन् भक्तिभूतभापः महे परिभूषितं॥ द्वां द्वां भल  
पले परिगति देयज्ञ वीरं द्वां द्वां॥ शुभांती पुरति विलेख एत  
री भगवन् यय धिं करे॥ ए वं ए वं भिद पूक मित्र रुयः पा यज्ञ  
भा यज्ञकः॥ ०॥ ॐ कल्ल गे दल कै र व भू ए दल म क र  
भ म द्वा गी॥ कै रं रं क र प द्वा ए र द्वा ए ती प द्वा द्वा क रं द्वा उ  
भा॥ भै वल्ल द्वा म पा म पा लि भ म द्वा भा उ व भू र उ भा॥



ਸ੍ਰੀ:

ਤਾਮ੍ਰਾਭ੍ਰਾਣਮੰਭਿਤੰਤਿਰਯਨੰਸਮ੍ਰਵਸ੍ਰਨੰਨ੍ਯੇ ॥ ੩ ॥ ਭੰਪ੍ਰਮ੍ਰ  
ਸਫ੍ਰਗਮਾਦਮ ॥ ਗ੍ਰਮ੍ਰਮ੍ਰਨ੍ਯਯਮ੍ਰ ॥ ਸੁਰਨ੍ਯਲਦਗੀਭਿਤੰਤਿਰਿ  
ਪਛੇਪਿਲਯਯੇ ॥ ॥ ॥ ਭਿਤੰਤਿਰਿਯਨੰਸਮ੍ਰਵਸ੍ਰਨੰਨ੍ਯੇ ॥ ਨਰਨ੍ਯਦਗਵਿਰਿਯ  
ਨਿ ॥ ਨਰਨ੍ਯਦਗਵਿਰਿਯਨੰਸਮ੍ਰਵਸ੍ਰਨੰਨ੍ਯੇ ॥ ਕਿਭਿਤਿਕਤ੍ਰਯਨੰਸਮ੍ਰਵਸ੍ਰਨੰਨ੍ਯੇ  
ਸਿਧ੍ਰਾਮਫ੍ਰਮਪਿਰੀਧ੍ਰਾਨ ॥ ॥ ॥ ॥ ਭੰਸਿਰ: ਸਤ੍ਰਯਯਯਯਿ  
ਨਰਤਿਸਤ੍ਰ: ਪ੍ਰਨ੍ਯਯਤੰ ॥ ਨਰਨ੍ਯਦਗਵਿਰਿਯਨੰਸਮ੍ਰਵਸ੍ਰਨੰਨ੍ਯੇ ॥ ਭੰਸਿਰ: ਸਤ੍ਰਯਯਯਯਿ  
ਪਿ ॥ ਸਤ੍ਰਯਯਯਯਿਨੰਸਮ੍ਰਵਸ੍ਰਨੰਨ੍ਯੇ ॥ ਪ੍ਰਨ੍ਯਯਤੰ



॥ श्रीः ॥

कषभरुतपुष्टः पूरुवति ॥ ० ॥ मिवः कल्लुपुपभममि  
वः ॥ श्रविष्टः उद्धेपाति उए मभम ॥ ५ ॥ नेकलेम उपाभ  
झलरदि उद्धुता ॥ महुककुभककुभटषाककुं ॥ महुः वि  
गु ॥ ५ ॥ कपूरुष्टः विष्टः ५ ॥ रराभणयया ॥ यदियुक्तः ५  
विष्टुं केरुवति ॥ उमपूरुविउं ५ ॥ कुउं विणउं मऊः ॥ भमऊं  
रुवति ॥ भुष्टुमिकदे, रगदलक्ष ॥ ५ ॥ यद्धगं ॥ उउमऊं केरु  
वति ॥ श्रविष्टवच्छिन्नभैववृद्ध ॥ एगविम ॥ मऊइमि

॥ श्रीः ॥  
॥ भो ॥ टी ॥  
॥ ७ ॥



। श्रीः । श्रीः

तिष्ठ वः ॥ नवभुतः ॥ पूयेण न क व ॥ इ षं उष्टु ॥ भु पू मे पू व  
तिष्ठित उष्टु रु ॥ मे व ७ ति ॥ मीष्ट ति मी ग ति ७ ति मे वः ॥ उ ष म  
मी ग ऊ मे व ॥ पू व उ उ ठ ग व न ॥ भु पू मे ॥ न प नः ॥ पू ये ण न भ मि  
ष्ट ति ॥ रु वः ॥ न मे मे वं ॥ उ य मे न य कुः ॥ उ म ॥ भु मि उं ॥ म लि उं ॥ भ  
पि ॥ न उ म ले न क मः ॥ उष्टु भु उं ॥ नि ष्क म क इ मि ति ॥ उ इ उ म ॥  
म कु वि न मि वे भु ॥ न भ ण भ न वि ह उ ॥ ७ ति ॥ ए उं ॥ नि नु  
७ भु ॥ भु पू ह क उ क उ ॥ सु ७ उ य उ क म य न ग र प ह क ॥



॥ श्रीः ॥

ॐ मवेम डिभते ॥ अटभतेपि ॥ पंडुपभु ॥ मिबभु ॥ रुवानीडुप  
मडिभंयेगादेव ॥ एगकडुइं ॥ राटवेडुं ॥ डेरममिवः ॥ मिबम  
वः ॥ मडाएकगे ॥ अकगेकगडुकेर ॥ यमि वुकेरुवडि ॥ उमपू  
रुविउं ॥ अकदं ॥ रुगवरूपभुडि ॥ कडुं ॥ मकेरुवडि ॥ नमेरेवंमेवः  
उमभयि ॥ उमपि ॥ उधूपएवि रुगभपि ॥ कडुं ॥ मकः ॥ मकगवक  
गयेः ॥ विभुगयेः ॥ उच्चगयि ॥ उममकडुइं ॥ अडाव ॥ मडावि  
मिवेअरु ॥ राभाभ ॥ रविहते ॥ ॐ इइराभपमभरसुदभा ॥ इ

॥ श्रीः ॥  
॥ भे ॥ ए ॥

॥ ३ ॥



॥ श्रीः ॥

ऊकप्रद्वपामपाउं॥ स्वषवामिवः॥ ककगामिद्वकगउः॥ पंम  
डिमद्वलऊकः॥ महु॥ स्वकगामिविभजउधेरुमभृगउपयय  
ऊ॥ यमि॥ उमपूरुविउं॥ वेममिउपउय॥ वृकीरुविउं॥ मऊेरु  
वडि॥ नमेमेवं॥ उमभयमिउभापि॥ उलेधूपएभयमभापि॥ कउंर  
ऊमलः॥ रद्वमः॥ उरुऊंमी॥ मगमयं॥ विरभृभृनउधं॥ एय  
उवृडिगउभा॥ मिवमडिभयंभृभा॥ इलचूरुऊंमीधि॥ ॐ  
डिभाऊकऊरुयेपि॥ ककगामिद्वकगउ॥ वलभुमिवउपि॥ ॥



। श्रीः ।

ममभुष्टुमुकुपः पडिम उडविगुरुः सकगमि विमज'तः॥  
भुग'षेरुममकुयः॥ निष्ट'षेरुमक'डु'रः॥ परम्परमभायतः॥  
मिदमक्तिभया बलः॥ मद्रु'उ'पुतिपामकः॥ मिरे'भुरः॥ पर  
णी'ने'रभु'त'तः॥ कदम'र॥ भुग'भु'त'त'एय'ते॥ रमिदभु'क'म  
ने'डि' न'ष'र' मिरे'र'क'रः॥ म'डु' र'ल'डु' डी'य'री'ए'उ'प'य'ने  
र'प'भ'म'प'र'भ'डु'र'गः॥ पू'रु'वि'डु' म'डु'उ'प'डु' ग'डु'भ'प'रि'डु'।  
धु'प'ए'वि'रु'ग'क'डु'भि'डु'त'तः॥ य'डु' मिरे'रि'डु' म'डु'वि'म'ने'ल'उ'न'।

। श्रीः ।  
भो ॥ ए



॥ मः ॥

नउमभउउउः॥उउउभा॥मिवरुपू॥अरुंविमुविमनभू  
भावर्येदेगउःपरः॥पुकमपाभाऊइइउलदगीयउः॥मिव  
उउउगाष्टेयं॥वलेवल्लेपुनउउउति॥येगिरीरुमयेपि॥मुट  
कगविमनउउविमुपुमुमंविमः॥पुकमपाभाऊइइउ  
लदगीयउउ॥पुमउंविमलदगीभाउभूरउयइकमिडि॥  
उरमउःपुविउमिउपिष्टाष्टउभा॥अषर॥मिवेदकरः॥मउपु  
कगलेति॥मुदगवगुमिरीमउउउः॥अरुंनउलेमस॥विमुव







॥ श्रीः ॥

ऊँ ह्रीं यः चतः मिव भूः पि भा भक्त पूरु वती । अत दे उ भू प  
तुं भुं तुं व, रुत पृष्टे, न पान्ति उ भरुतः । कषं पूरु वति, भभं उरु वति,  
न के वलं ॥ पं मरु द्वा उज उ भम मिव भू व । इ उ प वि उ, पि उ, र्म  
उ ग भू पी उ द रु रि द ग वि गि द मि रि ग पि । वि द्म मिव र्म मि  
रि ग पृ ग पृ भ न्नी यं ॥ ७ उ उः ॥ प म मि इ द्वा ग रि पू य  
ये र्ण नी य मि मं पं ॥ य षा । द्वि ती या रे । अत भू । सुभा सुग पृ मि उ  
प म म्भूः ॥ उ र मि रः म इ रि वः ॥ प म भू, सुभा, सु द्वा ॥ प म



॥ श्रीः ॥

ऊँ ह्रीं यः॥ यतः॥ मि वभुः पि॥ भा भट्ट पूरु वती॥ अत दे उं भुं पू॥  
तुं भुं तुं व, रुत पृष्टे, न पान्ति उभरुतः॥ कषं पूरु वति, भभं उं रु वति,  
न के वलं॥ पंम रू द्वा उज उभम मि वभुं व॥ इ इ पं दित उः पि उरु द्वा  
उरु भु पी टा द रु रि द ग वि गि द्वा मि ठि ग पि॥ विष्णु मि वरु द्वा मि  
ठि र पृ ग पृ भ न्नी यं॥ ७३ उः॥ पं मा मि इ द्वा ग रि पू यं॥  
ये र नी य मि रं पं हं॥ य स॥ द्वितीया रे॥ अत भु॥ सुभा सुग पृ मि ति  
पं म्भूरुः॥ उर मि वः म ह्नु ठि वः॥ पं मा इ, सुभा, सुहरे॥ पं म



। श्रीः ।

कीएन॥ महु॥ उवने सुगीगीएन॥ दरिदर विरिछ मिठि॥ के छरे॥  
यमि यऊ॥ ७३३॥ य॥ दरिपमेर॥ उ छुगभु॥ दरपमेर॥ गे रुभु॥ विरि  
छिपमेर॥ क क ग भु किः॥ वैपगीटेर॥ ये ए नी ये उ मी ए ट भा मि डि।  
वयं उ पं म म मी विहृ उ न उ भ पु वी ए इ क भ प म डी वी ए भु च उ  
उ॥ मि व उ डि मि वे रु क रः॥ महु॥ भ क र॥ दरिदर विरिछ मि  
ठि॥ ल क र रु क र क र वैपगीटेर यमि यऊ॥ महुः॥ म डि य  
ऊ उवने सुगी पू उ उ उ उः॥ य द्वा भ क ल मी विहृ भ उ भु ल उ उ

। श्रीः ।  
। भे ॥ ए ।  
। ७ ।



[illegible]



[illegible]

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



॥ श्रीः ॥

ममष्टा। अष्टममाक्षरं पंमममीष्टं। भद्रगिगोपालभद्रेश्वर॥  
ॐ तिष्ठतुम्भः। अष्टममाक्षरं पंमममीष्टं। भद्रगिगोपालभद्रेश्वर॥  
ममष्टा। अष्टममाक्षरं पंमममीष्टं। भद्रगिगोपालभद्रेश्वर॥  
ममष्टा। अष्टममाक्षरं पंमममीष्टं। भद्रगिगोपालभद्रेश्वर॥  
ममष्टा। अष्टममाक्षरं पंमममीष्टं। भद्रगिगोपालभद्रेश्वर॥  
ममष्टा। अष्टममाक्षरं पंमममीष्टं। भद्रगिगोपालभद्रेश्वर॥  
ममष्टा। अष्टममाक्षरं पंमममीष्टं। भद्रगिगोपालभद्रेश्वर॥  
ममष्टा। अष्टममाक्षरं पंमममीष्टं। भद्रगिगोपालभद्रेश्वर॥  
ममष्टा। अष्टममाक्षरं पंमममीष्टं। भद्रगिगोपालभद्रेश्वर॥  
ममष्टा। अष्टममाक्षरं पंमममीष्टं। भद्रगिगोपालभद्रेश्वर॥



॥ श्रीः ॥

णउवः मक्तिभ्रलकः ॥ भट्टसुत्रं पू ॥ एणीवणउवः मिवभ्रल  
कः ॥ नवणउगयं मेदे ॥ नवयैनिभभंरुव ॥ ७ डि नवयैनिः ॥ श्री  
मरुभा ॥ अषवकममि ॥ हललिउपं कुपाठुपुविग  
दा ॥ वेगनमभमगभु ॥ मकरोद्वि वमंएगामिडि ॥ उउगण  
वमनउ ॥ रुद्रभुपि ॥ कट्टायनी कुपउउ गउयपि ॥ विष्णु  
पदेष्टु उमः ॥ नवभीभं भकमिभउ ॥ एगकुउगीसुगभु  
श्रुवत्रिविधयेयं भुडिगिहमहपयनउं ॥ उउपदभ

॥ श्रीः ॥

॥ श्रीः ॥

॥ ३ ॥











श्रीः

उँउरीयंभंपांभंतुवमगल्पद्वेनदुठवं॥ विगिद्धिभंमि  
वविगमयडिलेकर, विकलभा॥ वदडेनंमैरिः कषभपि  
भदभे॥ मिगभं॥ दगभं द्वाहैरंठराडिठभिडेकुलरवि  
पिभा॥ ३॥॥ उरीयंभंभुद्धं॥ उवमगल्पद्वेनदुठवं॥ इय  
मभुणैकुउं॥ पांभं॥ पंमकुउगणः क॥ विगिमिः वृद्धभं  
मिवन॥ पकीउचरा॥ लेकं सुउउमकुवरवि॥ अविकलेभ  
भगरीवैकेलभदिउं॥ यषभुउषाविगमयडि॥ भुणति॥



ਸ੍ਰੀ:

ਰੰਪੰਮੰ, ਸਤੁਰੁ ਸਤੁਰੁ ਤੁਯਾ ਪਰਿਲੁ ਤੁੰ॥ ਸੋਗਿ ਵਿਲੁ॥ ਸੋਪਤੁਪੁ॥  
ਸਿਰਸੰ ਮਧੁ ਮੇ॥ ६॥ ਮਧੁ ਮੇ॥ ਕਥਮਪਿਕਥੁਰੁ ਵਰੁ ਤਿਤਿ  
ਰੁਤਿ॥ ਦਰਸੰ ਦੁਤੁ॥ ਰੰਪੰਮੰ ਸਤੁਰੁ ਸਤੁਰੁ ਤੁਯਾ ਪਰਿਲੁ ਤੁੰ  
ਮੰਧੁ ਰੁ॥ ਸੁ ਲੀਨੁ॥ ਰੁਮਿਤਿ ਕੁਲੁ ਰਵਿਰਿੰ॥ ਰੁਮੁ ਮੁਰੰ ਰੁਣਿ  
ਕੋਤਿ॥ ਸਤੁ ਰੁ॥ ਸਤਿਗਿਤਿ ਰੁਮੁ॥ ਮੁਲਮਿਤਿ ਰੁਮੁ॥ ਰੁਯਗਿਤਿ  
ਰੁਮੁ॥ ਰੁਲਮਿਤਿ ਰੁਮੁ॥ ਮਚੰਦਰੁ॥ ੭੦ ਰੁਮੁ॥ ਰੁਤੁ ਰਿਮੁ ਕੁੰਧਿ  
ਰੁਮੁ ਰੀਤਿ॥ ਰੁਮੁ ਮੁਰੁ ਮਤ੍ਰੇਖੁ॥ ਕੁਤੁ ਮੀਰੰ ਰੁਮੁ॥ ਤ੍ਰਿਤਿ॥ ਗਿਤਿ॥

ਸ੍ਰੀ:

ਮਾ  
ਲੀ

੦.



श्रीः

विष्णुपुत्रः॥ कवरीपदे उमा॥ सुहृदः॥ सुलागजभिस्र  
निवा॥ प्राणः॥ भद्रपूणरः सुलाः॥ गणपूणरैरुक्तः॥ उभः॥ प  
णरौभिस्रः॥ गु॥ उतीउ॥ उतिनिगु॥ सुलागजयैरुक्त  
रुभा॥ भिस्रभुक्तुमलं॥ निगु॥ भुभक्तुमलं भुक्तु सुले  
विष्णुः॥ गतेवृद्धा भिस्रभुक्तु॥ निगु॥ भामिभिस्रः॥ उषाया  
गुक्तुमाग॥ पदुक्तु रुक्तु रुक्तु॥ थाभुक्तुगु॥ भुमिभिस्रविगिमिः॥  
लेक॥ रुक्तुगु॥ सुलाग॥ पदुक्तु रुक्तु रुक्तु॥ थाभुक्तुगु॥



श्रीः

भंमिचविष्णुवडि॥ भिममालं पंकेरु रुवंपंभं॥ उमेगुं  
भंमिचमंरुगडि रुवं॥ उरुं॥ उउये॥ इमपुगोविण्ड  
गीउवरउ सुलो॥ पामेगरेगुं॥ भलोपलरोहभाको॥ भधि  
भुडीविउउउरुमयेउ उीय भधिं रुएं भुवकगेडिएगदि  
नामभा॥ रुहंउवैवमालं निरुपाणितेणभंरुभुउंमिवप  
देभउउंरुभाभीडि॥ ७॥ नवृण्ण एरुम रिद्राल्यकलणीवि  
वया॥ कषंभइडि कउंसटा॥ उभुं उरुउया॥ तद्रुकलभ

श्रीः  
भो ए



श्रीः

पुउयः पूः भवद्विपरिमितगणविभाष्टुदुमउत्तुद ३ ॥  
विष्टुनाभउत्तिभिगभिदिरेष्टीपरकरी॥ एदुनांमैउत्तु  
वकभकगदभूतिभिग॥ मगिदुलंमिउभालिगुलिक  
एदुएलणे निभगनांमं धूभगिपवादभूदवती॥ ३ ॥  
उषमरुदुदुभचंभभभभभत्रभिउठवः॥ विष्टुनां॥ वि  
दुणमपूतिपामकंमभू॥ उदुदिउनां॥ अउत्तिभिगमु॥ अदु  
नउपावूकगभू॥ भिदिरेष्टुनां॥ उदुद्वीपरकरी॥ उद्विकभिक



ਸ੍ਰੀ ਹਰਿ ਹਰਿ:

भिदिगङ्गीपरगगीतिकेमिदं०ति॥उद्गममादिष्ट॥यद्य  
 गपद्मयंप्राप्रवति॥उद्गमङ्गीपरगगीरुवतीहृत्॥एक  
 नभमउरालं॥माश्रीष्टरगदिउरंमैउहंष्टनंउरभुव  
 क॥उउरैउरभुतिभभपकः॥उरभकगमभुति॥चिद्वष्ट  
 नमभङ्गगण॥उष्टभिगगापति॥उषामरिद्वलभगनं  
 मिताभल्लिउरगत्रभु॥गुल्लिकपनःपनरुभः॥उष  
 एमएलएणैरुवभगारे॥निभग्रनंभगपिवरादभु॥विष्ट

श्रीः  
भे ए



श्रीः

ऊपागिवागदभ॥ मं धू॥ उरुगुगकीटऊः॥ अउ विमेषमउ  
धूयेन॥ एमउकभभेदरागकडं रुगावटः पूतिपागिउभा  
एभभुउमभुसुनभापुइ॥ उइगानं पूषभभेवेऊं॥ कम  
भुमाउदभापुउया॥ उइगानं सिडीयेनैऊं॥ इडीयउदये  
गऊभेदरागऊकइभुमभुधूइभेवेतिह्लयभा॥ अषमद  
लमनसुगवगुवगीएइकडं॥ रुगावटभुमिउभा॥ उ  
रुऊंशिपगालवे॥ एगउसुनभसुन॥ ह्लमिभानभउः५नः॥



सी

उउः कभाविउउउकैवलंकलयविठैः वगुवंप्रमंवीरं  
वेमनंप्रउउयउ॥ डिप्राभंल्लयठुठुइरूपाविम्विगुरु  
वामुवामककुपे॥ हंप्रैउमिउवैठवेउि॥ विष्कपदे॥ ठव  
उिइयिविहभाउइ॥ मळभु॥ अमुविष्कैः॥ भीरंलझीः  
अविहउमिउइउउपपीउउः॥ पंयैगापुयामिउिणी  
पा॥ उषगा॥ इयिअरुंपूपत्रे॥ विहमिगदिउठविहभाउि  
किमउमिउिठवः॥ ७॥ नरभमउठवउकिंरभुयउउ

मं  
भा  
ली

०३



श्रीः

हृद॥ ३॥ ॐ ह्रस्वः पाणि कुम्भ रुच्य वरुणै मवतु ग॥ भू  
भक्त नैवः मिथूक एतु वरुणी इति नय ॥ रुच्य इतुं मं  
कलभपिम वकुम्भमपि कं मरुते लोकं नं तु वदि मरु  
वेव रिपु ॥ २॥ ॐ ह्रस्वः वरुणैः पाणि कुम्भ रुच्य  
वरुणैः ॥ रुच्य वरुणैः ॥ इति वरुणैः ॥ इति वरुणैः  
इति वरुणैः ॥ इति वरुणैः ॥ इति वरुणैः ॥ इति वरुणैः  
॥ इति वरुणैः ॥ इति वरुणैः ॥ इति वरुणैः ॥ इति वरुणैः



सी:

यामिडि॥यडेठयाडूडं॥बंठभभणिकंठलंम,मडुंउव  
मर॥वेवनिप॥विडवयः॥यड,इमेवैरु॥पूकएडव  
गळीडठिरयागमि॥अपिउ,इमडेपिमैवउगलः॥प  
लिडुभठयवरमः॥एउवउभाभुपि॥वैलडूडं॥उडेठ  
गवड,॥उडउडुरु॥ठयामिडमि॥अषव॥पलिडुभ  
ठयवरमैवउगलः॥इमेकवैगमि॥अपिउइमेव,क  
क,कीरुमीडपूकएडवगळीडठिरया॥उषापि॥ठ

सी  
भो एी



ਸ੍ਰੀ:

ਯਾਤ੍ਰਾਤ੍ਰੰ॥ ਵਾਂਠਮਮਪਿਕੰਠਲੰ॥ ਮਤ੍ਰੰ॥ ਤਵਮਾ॥ ਵੇਵ॥ ਰਿਪੁਲ੍ਲਿ  
ਮਮਤ੍ਰਾ॥ ਰਿਤ੍ਰਤ੍ਰ॥ ਤ੍ਰਿਸ੍ਰਾ॥ ਤ੍ਰਿਨੋਪਤ੍ਰਿਤ੍ਰਾ॥ ਗਲ੍ਲਮਾਮਿ॥ ਪ  
ਲਿਤ੍ਰਾ॥ ਮੇਵਤ੍ਰਯਵਰ੍ਯਮ੍॥ ਪ੍ਰਕਟਿਤ੍ਰਾ॥ ਠੀਤ੍ਰਿਤ੍ਰਾ॥ ਪ੍ਰਕਟਿ  
ਗੀ॥ ਤ੍ਰਿਤ੍ਰਾਮਿ॥ ਅਪਿਤ੍ਰਯਾਤ੍ਰਾਤ੍ਰੰ॥ ਵਾਂਠਮਮਪਿਕੰਠਲੰਮਤ੍ਰੰ ਲੇ  
ਕਾਨ੍ਰਮਾਤ੍ਰਾ॥ ਗਲ੍ਲਾ॥ ਰਾਯਾਂਪ੍ਰਾਤ੍ਰਾ॥ ਤਵਮਾ॥ ਵੇਵਰਿਪੁਲ੍ਲਿ॥ ਗਲ੍ਲ  
ਰਾਯੇ॥ ਤ੍ਰਿਤ੍ਰਾ॥ ਲੋਕਾਨ੍ਰਾ॥ ਕਮੇਤ੍ਰਮਿਵਰ੍ਯਮ੍॥ ਮਾਤ੍ਰਾ॥ ਤ੍ਰਿਤ੍ਰਾ  
ਮ੍ਰੇਤ੍ਰਮਾ॥ ਪ੍ਰਕਟਿਤ੍ਰਾ॥ ਤ੍ਰਿਤ੍ਰਾ॥ ਲਕ੍ਰਾ॥ ਤਕ੍ਰਾਕਕ੍ਰਾ॥ ਕਮ

ਸ੍ਰੇਵਤ੍ਰ



मि वामक इ रेऊ इ मिः॥ भभप्रुवः ऊइरुधूः उउउउउ॥  
 जेंदुरिभ्रभागपृपूलतएनभैरुगुणनरी॥ पगरगीकुइ  
 पराधिपमापिहोकरुभवयता॥ भर्गेपिहुंनइगतिनयरलेछे  
 नचपपाभनीरामपृतः पूरुवडिरिभेरुयरागाताभा॥ ५  
 पगरभउमषरातांग॥ रुगिविष्नुमुं॥ पूलतएनभैरुगुण  
 रनीभागपृ॥ रगीकुइ भैरिरी कुंपा॥ विणायभग्दंगअपि।  
 होकरुभन्नषणीताभवयता॥ येनभर्गेपि॥ करुमीरुतः उभ

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



श्रीः

भमराणं॥ उवपुममे नैवः टषः मभुविउ मेवेडि ठवः॥ य  
दुदेपुल्ल उएने॥ भोठगुएरनि॥ गंरं कउं॥ इभागपुउ  
वयः॥ भमरेपुने नैवपुकरे॥ इरइ॥ वपुष॥ मरीरे॥ भ  
रुउं भनीन॥ भउं मेदयपुवडी इवयः॥ वपुषा कीरु मेर  
गडिनयनलेछेर गडिः॥ कभभू॥ उवयनइ॥ भाभुमरीयेर  
डिभनरे॥ इरुः॥ उरुउभा॥ वभके सुगउउ॥ एउं मेवपुग  
गपुविउं॥ इले कभेदिनीभा॥ इले कभेदयभाभा॥ कभ



गिंठगवचरिः॥ कभमेवैपिमवेमिभदइप्रभनगीभा॥  
 भभागपुठवल्लैके॥ भचभोरुगुभनर७ति॥ उडिगीयम  
 डिगपि॥ एवकेरुवैरेद॥ अदेराउभभाएगाभेति एवक  
 पउविष्टापूर्वउकः॥ विरेदपववैरेद॥ कभः॥ अदेराउः  
 अदेराउउकैः पंममसादगीभउवलेः पूडिपममिप्र  
 लिंकउकलउकै॥ भभाएगाभ उंभउभाहुउवनिडि  
 उमउः॥ विष्णुपदे॥ एरिदिम्॥ गीउभसापानउरं॥ इभा

मा  
 मे  
 ए  
 ००



ਸ੍ਰੀ:

ਪੁ॥ ਅਨਾਗੀਤੁਤੁ, ਪ੍ਰ॥ ਤੁਏਨਮੋ ਰੁਗੁਣਨਾਨੀਗੋਗੀ॥ ਤਥਾ॥ ਮ  
ਯੁਗਮਾਧਿਕੋਰੁ॥ ਵਿਸ਼ਮਯਮਨਯਤੁਪ੍ਰਯਾਮਾਮੇਤੁਤੁ॥ ਸੇਖੰ  
ਮਮਾਤਮਾ॥ ਨਰਪਰਕੁਸ਼ਮੁਰਾਗੀਤੁਪਗਦਲੰ॥ ਨਾਦਕਾਪੁਰੁਖ  
ਤੁਪਗਦਲੰ॥ ਬੁਝਦਰਾਨਕਮਿਤਿ ਰੁਕੁਤੁ॥ ਤਤੁਮਤੁਮਾਨੇ  
ਪਯੋਗਾ॥ ਕਰੁਦੁਪੁਤੁ ਮਾਨਿਮੋਦਕੁਤੁ ਮਾਮਾਤੁਪੁਤੁਰੁ ਰੁ  
ਵਿਭੁਤੀਤੁਤੁਤੁਰੁ॥ ੧॥ ਤੁੰਧਨੁ: ਪਾਥੰਮੋਚੀਮਪੁਕਰਮਧੀ  
ਪੰਮਵਿਮਿਧਾਪ॥ ਰੁਮਤੁਮੁਦਮਤਿਮਲਯਮਰੁਦਯੋਰੁਗਥ:॥



सुखी महेसः

उषाष्टकभुवंचिभगिरिभुतकभापिरुपाभपाङ्गुल  
वृणागामिभभरङ्गेविरायते॥ ७ ॥ उषाम॥ उमीयभभगी  
पुरुमीतिरुवः॥ पत्रः पौष्यं पृथ्व्यभयं भुतभयं॥ वडैप  
भभितुङः॥ भौची॥ हभपकगभयीरुभगभयी॥ भपकगल  
भाकद्यल्लिकल॥ भुदं नैद्यहुते॥ विमिपारुल्लः॥ पमेव  
रुदणिकः॥ वभतुदुतकममिडा॥ कभभभुभभदयः॥ भ  
लयभभुत॥ मदि॥ विलः॥ भभगभनः॥ सुवेणरगषः॥ घ

भ  
०१



सुभाणरगवः॥भ्रयभष्टकः॥दितायमेउरभद्रयगदिडेनं  
गः॥मगीरे॥पिमुटः॥उषापि॥दिभगिरिभडे॥उरप  
सुत्रेउपुता॥कुभष्ट॥निचमरीयंरुपा॥लवू॥भचभिमंय  
किफि॥गाउं॥भगवति॥पु॥भभुं॥विणयउ॥उडउः  
विष्णुपदेरुपा॥कीरु॥मी॥दिभगिरिभडे॥कं॥दिभगिरि  
भउय॥ः॥कभेवंका॥यउ॥कभः॥य॥मी॥रुगावह  
पाभाभा॥कभे॥रागा॥मी॥करी॥उ॥मरुपा॥विधयः॥



श्रीः

यस्य दंभं उग्रं दंभापेका उग्रमीकृता भेदा मयेन ॥ उग्रं मयं प  
ठिला धेठ गवह उग्र मयः ॥ यद्वादिभगिनिभुता य उग्रं भः  
मज्जमदेमभु ॥ य उग्रं भदेम निष्पाचावती विषय किला धरण  
रमाजिः ॥ कभभुठगवह पा उग्र उठिवः ॥ ये ॥ मयं पठगवहती भु  
उपमाद ॥ ॥ ॥ क ॥ कृष्णीमभ क रिकल क उग्र भुठग ॥ परिणी  
॥ मयं पठि ॥ उग्र मयं मयं ॥ एव कृष्ण दंभं मयं लिभपि  
मयं रकाउले ॥ पयभुता मयं पयभवि उग्र देपनधिक ॥ ॥



ॐ सुप्रसन्नं यमार्कं क्षीमं ॥ काश्वपिर्कं सुकायशुभं ॥

ॐ कृष्णकलः अभिमावकभुक्तभुक्तैरिवभुक्तैर्यष्टभु॥

करिमचक्र श्रुतिपरलोकः॥ करिषुकं धृकमंलठउ करिकलठः

क रि म् पु उ ति के मि उ । भ पु उ म् गे प रि ङी ल द म् । प रि ~ उ :

परिप्रलम्बकलीनसुभुद्धवुरंभाप्यभुभ।उषकर

उलैवउक्तेमं अंवा ॥ पामंरु विमैधं भलिभङ्गमं

मणपणयतीनेभ्रकंपुरभुमये॥ सुभंतिपुड॥ कीमसीप



गभविउच्चिवभुर्धेपुनधिक॥ सुदेपुनधेदमिहकिभंयडुपा॥  
 सुदेपुनधिकमयहभुअभुवरअनीहभर्केमेलह॥ सु  
 इपामपउधेडुवपैवभकरये॥ सुअमव॥ येडुवपैमहि॥ क  
 रयेहभ॥ केमिडु॥ महेवकरेपामंवभकरेडुमंसजीरभिम  
 डि॥ सुइएउरैहव॥ व॥ अउकभलरीलकभलकूलदरकेरव  
 भदकरभलरीडुपभुउरएमवउ॥ सुअमवररात्रापमिउभ  
 वलभयंपामेउपडुरिमिउ॥ ॥ विहपहो॥ नैभकंपरभवि

श्रीः  
 भं  
 ०७



उत्तरगुरुप्रभुप्रवृत्तमस्तु॥ नमो भगवते विष्णवे गुरुः सुदे  
धनुषिकपाचतीति॥ सुभं तिष्ठति प्रयेण कइता॥ मेदिनीप्रतः  
सिवकोककतयतुतिभक्तगह मिष्टमयः॥ उच्चैर्भवन्निबंम  
वामनपदंभद्रलभद्रमुक्तं॥ पामंमद्रुमभैरवंपत्रगिपुंपोधंम  
नंकरे॥ गोपीगोपपरीवतंभगतरेड्रलेभिज्जितंदारि॥ श्रीवैसंभ  
लिङ्गप्रल्लुलभभंनृक्षंठणेभक्तगभा॥ उतिभक्तगीगोपालष्ट  
राकिप्रये॥ मंमंभक्तभरीयभा॥ १॥ छंभणभिर्वैद्यप्रभगरविष्ट  
पिवलीपरिवत॥ भालिङ्गी॥ भौधवनवतिमित्तभालिराद॥



मिव करम छै परमा मिव पदक विलये ॥ कणति डं एट कडिम  
 रमिम रत्न लदरी भा ॥ ३ ॥ अण भिन्न रभात धुपे मृष्ट ॥ भग वि ए पि  
 रं कल्पक द्वा लं य द्वा एी उय प रि व उ वे धि उ ॥ भलि स्त्री प र व  
 र ड्राप मि उ स्त्री प ॥ री प प व र व डि क म भु ल उ र म ली ये मि उ भ  
 लि ग द मि उ भ लि र ड्राप मि उ उ ह भु भु मि य उ भ मि र ॥ मिव  
 प व प द क कर म छै ॥ मिव रं व द्वा वि लु म म्मे मा र भा क र उ द डि  
 द ई म्मे व भ छै ॥ ए ड्ड उ पः पर म मिव भ म्मे मिव प व प द क क  
 मि प उ य मि उः ॥ उ भि विलये र म्मे रं य भु भु ॥ ॥ व द्वा वि लु



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



पिष्टु न ह मिम न उभा क स भ प रि॥ भ रौ पि रु भ ष्टे भ क ल भ पि ठि डु  
 क ल प षे॥ भ द भू र प ष्टे भ द र द मि प ष्ट वि द र भ॥॥॥ भ दं पी प ष्ट  
 अ ल ण र म उ म ले॥ भ पि ष्टु र कं ण ल भ लि प्र र न ठि म रू क उ र व  
 भि डि॥ भ पि ष्टु र भि डि प्र र येः भं ह र उ य म॥ स भू र भ उ र उ वि  
 ह मि॥ भू र द उ भ म उ र यं॥ उ प रि क ष्ट वि सु रू म रू सु क मं॥ रु भ ष्ट  
 भु रू म रू॥ भ रौ उ क रं प रं भ क ल भ पि उ ल प षं प ष्ट रं ठि डु॥ न  
 भू र भू म भू प ष्ट ण क ल भ भं ष्टि उ॥ प ष्ट मि र न भ द र द मि॥ प  
 क उ वि द र भि डुः॥॥॥ भि डु भे ध र॥ उ रू लि र भ द र म रू गी र

भूः  
 भूः  
 ३०



एतिभेद्विनीभा॥मलिलभुनयेगेनएलमगतिवेगविता॥वहुठम  
 एलभिवभूममहयिंइलछिपभा॥भरुठममीपूगतिदातिरेम  
 मउंछ॥२३॥हेभठमपेमगतिभनेठमभनेगातिः॥यइकभयउंउ  
 इयडिलेकइयेपिम॥भयेरायझिवठममिवपवप्रएयउ॥क  
 उदउमभचइभगभगरभभुतः॥७॥तिभिमुविमेषेधुतः॥३॥अलि  
 तीउपेपिइगवेति॥विष्णुपठेप्रयभजः॥३॥अलिटाभुवहुभिकइ  
 य॥उइत्रेयहुभिकंभयीमिहदिनेकात्रयहुभिकप्रहवडिहुभिक  
 इद॥७॥भएएगभारेस्वरयगलउचिगलिरे॥५॥पंमंभिपु



श्रीः

उपनगरपिरभाभ्रायमदभा॥ अवापृशं कृमिं कृणगविठभपृषुवल  
पंश्रभाभ्रं नंदहृश्रपिधितुलकुं कृदगिलि॥॥ भृणणरभागेभाउ  
णभभ्रउः॥ मर॥ यगलउचिगलिउैरुमपृगउमुल्लरकुमार॥ इ  
याउजउैः भृमभ्रैः॥ पूपंमंभानमभ्रानमिधेदुउपं कुलपसंभि  
इतीहरेरावयकृमिकेऊ॥ अषपृहकडिकृमिकभाद॥ पनगपीडि  
गभाभ्रायः पुरुभ्रायः॥ प्रचमहि॥ पस्त्रिभेडरेवउः॥ पणमउैर  
भ्रायः॥ पाजिवपृवलवयहृरकमभानभाः सभुवभ्रायः॥ पउेधंभ्रा  
रहृउउगमिऊमे॥ कृभ्रादिभानभामिऊमे॥ व॥ पउेधंभदभ्राय

श्रीः  
भो न  
११



श्रीः

[illegible]







लिकयं॥ इगभु गंभभमिभिणउवसुत्रिभलकः॥ भल्लसुत्र  
एणीवणउवः॥ मिवअलकः॥ नवणउरयंमदेनवयेनिभभमः  
उडिनवयेनिमीमरुभा॥ इयसुत्रिंमके॥ एवभमलभपुमले॥ क  
नगुंभेकममले॥ इवलयेकउइयेदिगोणउपंऊविश्वगोणइयभा  
दिभभंमद॥ उवठवनके॥ निपडिउः॥ परि॥ उः॥ उमके॥ वि  
मइके॥ एभके॥ ममारयम॥ भवसुत्रगमलभेकमकेपुकल्लभा  
कउइयंमणर॥ भमनइयंम॥ मीमरुमउममिउंपामेवउयः॥ उ  
डि॥ पुभुगवमाडिके॥ एभाः॥ भिउके॥ सुयभ॥ सुपुके॥ उउज



माः  
भो इ.  
३५







नतिठिललहृषुभ्रतिठिः॥एतद्धनभदनवठिः॥इष्टाश्विलयंल  
 कइयंतउमेवगोपइयं॥पंठिस्रभावंइयस्रइगिभ्रमेवभुवठव  
 रभिव॥कवनंमेदेउभ्रके॥पकमेमःपरि॥॥देवभ्रमलवभ्र  
 पनंममतीतिवभ्रमेण॥उंलउरग॥दुतीइजः॥कलभ्रमउर  
 ध्रिकलभ्र॥भ्रमभ्रम्रपूकमकदेउइजः॥००॥इमीयंभी  
 उदिरगिरिकउंलयिउं॥कवीभ्रकलपुंकषभपिविगिष्ठि  
 कउयः॥यमलेकीइइमभगललेनय॥विभनभा॥उंपेठिइध्र  
 पभपिगिरिमभायएपमवीभ॥॥॥देउदिभ्रगिरिकउं॥इमीयं

म  
 श्रीः  
 भे न.  
 १५



भोमदं॥ उलसिउभपभारैपभेयठवरवल्हयिउं॥ विरिछिप्रुउ  
येवदमयकरीरु॥ कषभपिरभभजठवडीहजु॥ उपभारम  
मिठिठवः॥ मभानुलनदेवजरमभगल्ललनं विलभेयेध  
उभाकः॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥  
उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥  
उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥  
उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥  
उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥  
उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥  
उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥  
उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥ उव॥



श्रीः

[illegible]

श्रीः  
भोल  
९८



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



धूनेस'प'पि'म'ले'उ'ए'भ'उ'इ'नि॥७॥क'हिं'म'सि'व'स'ति'वि'ठ'गे'र'सुः  
 धिः॥५९॥अ'रि'ले'र'द'उ'म'उ'ध'स'म'ले'र'य'ह'उ'इ'मि'भ'पु'विं'म'तिः॥  
 भ'द'उ'इ'उ'र'प'जि'र'उ'इ'नि॥मि'व'स'ति'वि'ठ'गे'र'म'उ'ध'स'म'ग'॥म'मि  
 वि'वि'सु'सु'म'र'स'भ'पु'ति'म'ले॥ह'भ'उ'इ'नि'ध'डि'म'ग'॥मि'व'स'ति'भ'म'  
 मि'वे'स'ग'सु'सु'वि'सु'भा'य'क'ल'वि'सु'॥र'ग'क'ल'वि'य'उ'प'ग'॥  
 उ'द'सु'र'वा'दि'भ'र'ह'र'दि'य'क'म'दि'य॥म'र'भ'म'सु'प'र'भ'ग'र'प'स'  
 सु'उ'नि॥उ'ति'म'ति'मि'व'वि'ठ'गे'र'स'भ'पु'तिः॥१७॥भ'र'भ'ह'स'म'र'स'  
 उ'ध'पि'म'ले॥भ'र'भ'उ'इ'नि'स'हिं'म'ग'॥उ'ध'दि'प'र'म'उ'र'प'र'प'

शः  
 भो न.  
 ३१







मयपद्मः कृतीयेवेमहुराममडगीमपुणः क्रिया पद्मभीकृदलीदि  
 द्विष्मप्रीष्टमकृकषुण परतुएयउदिंभममवुभयतिः भुत  
 धादुमकृयिकपूककृभमभमिउ उकृउएयउएकभमवय  
 गणीसुगी मपुविमतिरम्रीरं पतिभनदउमूर एनमडुक्रियव  
 कृममवगीसुगीभउ एकहिंसकृमिपतिभपिपुनमभमिउ  
 क्रियाउः कृदलीष्टकृमभुदलिलनयिक मपुविमतिरम्रीरं  
 भलिप्रमभमिउ कृदलुभकृकएउमदिउगीसुगीभउ मपु  
 विमतिरम्रीरंमपिपणरभमिउ मिवमतिरिगगरादिविणमभ

श्री.  
 भे. म.  
 ३३



वक्षि॥ भृषु उगं मदि सउ भवं सभु भगी मयः॥ पर मि सक्ति निष्पद्भिः  
 यकै भदि उ पग॥॥ द्वि भ पुट्ट पिकं डी लि मउ ट्ट द्रु री धिः॥  
 प धं भृग॥ भृ॥ एणी व भु के भं दी मंगत॥ भवे धं भृग॥ स्रुत भ  
 द्रु गै क भ पि भृगे ड॥॥ प धं भृग डि र ड ले कः प प प्रः द्रु ल रः प रः  
 ल द्रु व भृग उ एणी व भु के र मि क ले व भ मि डि॥॥ उ व उ डै व॥॥ मि व  
 भृग वि भृ प द्रु भृ प र म भृ व क रि॥॥ द्रु द्रु ल भ भृग ए उ प म रं भ  
 द्रु उ पि॥॥ भृ व य रं भ भृ य ग डै क धं भृ पू ए य ड॥॥ प र म भृ उ  
 व द्रु उ रं शि य उ द्रु वि री डि म॥ भ भृ क म भृ पू ए प र भृ म भृ उः



म० उः॥ ज० इली भ० अ० क० हं म० धे० द० कि० त्र० भ० द्या० प० क०॥ न० र० दि० भ० वि० उ०  
 उ० उ० उ० मे० उ० उ० उ० उ० य० मा०॥ उ० उ० उ० म० भ० व० य० भ० इ० ग० मे० उ० सु० ग० म० य० मा०॥  
 उ० उ०॥ ५॥ अ० व० प० जि० व० मि० म० क० र० म्मी० रं० र० भ० वि०॥ ५॥ उ० उ० प० जि० वे०॥ ५॥ उ०  
 इ० म० ग० उ० इ० म० गी०॥ ए० ले० म० गः॥ ए० ले० म० गी०॥ प्र० लै० म० गः॥ प्र० लै० म० गी०॥ क० मे०  
 म० गः॥ क० मे० म० गी०॥ म्मी० क० भ० ग० ग० र०॥ अ० व० उ०ः॥ अ० ग० भ०॥ म० इ० र० ग० पि० र० कि०  
 पि० इ० ल०ः॥ प० उ० ल० मे० री०॥ न० मा० ए०ः॥ र० मः॥ सु० र० मः॥ द० कि० री०॥ भ० द० र० मः॥ सु०  
 ल० म० र० मः॥ र० कि० री०॥ भ० द० र० मः॥ ल० कि० री०॥ ये० ए०ः॥ क० कि० री०॥ अ० गी० उ०ः॥ म० कि०  
 री०॥ प० मः॥ द० कि० री०॥ सु० ए० र० मः॥ र० उ०॥ म० इ० मः॥ म० इ०॥ उ० गी० इ० री० मः॥ क०

श्रीः  
 भे० न  
 ७७



रल॥भमप्रेमःभद्रेकुम्भ॥भरमिबिमल॥भउद्गी॥भचल्लवि  
 भलःप्रलिङ्गी॥योगविमलःसधुगी॥मिदुविमलःवगपरा॥भम  
 यविमलःऊललिङ्गी॥रिरेडःऊहा॥उद्गीमःलह॥पधुमःऊ  
 लेसुगीमदणीमःऊलए॥२॥५॥एउयजितरमय॥२॥अल  
 गधेधदंछमदुलंकंभलंविमिडु॥उकलिकयभग॥वहभ  
 मिचंभंप्रण॥धदछमदुलेषगमयःप्रहः॥२॥मिवेसुनर  
 षमीपदुकंप्रणयभीडियेणभा॥मऊसधुमेवीमीपदुकंप्र  
 णयभीडियेणभा॥सवंभवमऊ॥२॥असवअमिषकंविमि



श्रीः

हुपात्रिभद्रिः॥ रम्मी सं प्रणये हुड्ड मधु विंसडिक रुभग ॥ मड  
कुं पंम कं धं मड कुं पड कं पनः॥ मड कुं मिडि मं ठि वः रुभ अ मि  
वर मयः॥ रुभ व पि वि लि ए प्र ण या उ ॥ ८ ॥ मृषा पुर मयै भालि  
प्रग ॥ म भु व रु मे ~ अ पि प्र र भालि प्र ग यै वृ ह यः॥ ९ ॥ उ मा ॥ म  
हु ए उः भ यः व भ मे वः॥ श्रीः मृषे गः प द्म ॥ उ द्म रु धेः अ धि क ॥ म  
रुतः वि रु डिः॥ मृषा वः प्र डि मृ ॥ मृषा मि उः वि रु मृ मि उः म उ  
म मि म ए गः॥ उ भ उी वः॥ ग ङ्ग भालि व द्म ॥ म र मृ उी मृ व द्म  
वि रु क भ ल ॥ ए णी मः॥ प व उी व म मृ गः॥ मि रु म उ वि रु मृ गः भ क

श्री.  
भो रु.  
उ.







श्री.  
मै. ३०

रुद्रः शिवाय ॥ स्यात्तः गच्छ ॥ मभयमः रभ ॥ ललितः भय ॥ अकः भ  
वा ॥ अउमुरः मयः ॥ सुरमः सकिरी ॥ मल ॥ अउमकिरी ॥ अठरुः  
मरुदकिरी ॥ येग'रुः पदुदकिरी ॥ पउउमइ ॥ ऊलकैलीपुर ॥  
पवरी ॥ ऊह'पुरः मभय ॥ श्रीक'रुः कभ ॥ अरुतः रवडी ॥ मरुतः इल  
पिद्रलः कगल ॥ मगए'कगल ॥ कगल'शिगुमः ॥ परभिद्रगुमः ॥  
मा'उगीउगइगुमः ॥ म'उ'सिवगुमविह ॥ मेलगुमः प्रतिधु ॥ अमयगु  
मः विचउः ॥ ५७ ॥ ॥ पउअ'पिधु'रुममले ॥ प'मिभ'मिरवमले  
पए ॥ रुम'रुममले ॥ रुकं प्रणयउ ॥ पदु'दिहं पंमकं प'पकं







सुभ्रसा॥ भदङ्गी परभगुन॥ भद्रल पर॥ दिगुन॥ केभए सुभउगु  
 नः रभा॥ पर॥ २८ पउ सुन दउ डग सल्ले॥ पन्निभ मिप्रएः॥ द  
 डीयधभुरवमलेप्रधए॥ धए॥ सुतेध मडकुं मडकुं॥ पम्भरदिउं  
 मडकुं पंमकं धकुं मडकुं पंमकं इवभा॥ ७ उतिरुमे~ ठिउः सु  
 वयवीयभगीमयः॥ धकुं~ प्रणरभऊभा॥ ॥ ॥ सुषरठभभगे  
 मयः॥ ॥ द्दमयं के लिकी॥ परक उः॥ ठेगः विस्वमी॥ ठयः येगि  
 री॥ भदः बुद्धभग॥ उपः मवगी॥ ७ ठः कलिक॥ रभप्रधुः म'डा  
 ली॥ भदः सुप्यरेमी॥ भरेठयः देल॥ मेके भद॥ पऊल्लर॥ गुहंउ

श्री.  
 मे' म  
 ३३







श्रीः  
मैरु  
३३



लिराज कलिनीपर भेषगु भेषगुपर ॥ पु ॥ सुइपु ॥ सुइपु ॥  
 म्दरुम्दरुपर ॥ भ ॥ क ॥ म ॥ क ॥ पर ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥  
 व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥  
 व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥  
 व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥  
 व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥  
 व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥  
 व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥  
 व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥  
 व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥ व ॥ ए ॥ र ॥



उ॥ चउधंरभसुरदुकरि॥॥॥ यषडिपरभरुगीडिपरभरुगः॥  
 दमयमेवीदमयमेवः॥ मिरमेवीमिमिमेवः॥ मापमेवीमिपमेवः॥  
 कवममेवीकवममेवः॥ नइमेवीनइमेवः॥ प्रभुमेवीप्रभुमेवः॥  
 कभसुगीकभसुगः॥ ठगभालिनीठगभाली॥ निडलित्रनिडलि  
 त्रः॥ ठीरुठुठीरुठुः॥ वनेवभिनवनेवभी॥ भदवणुसुगीभदवणु  
 सुगः॥ मिवद्रुमीमिवद्रुतः॥ इरिडइरिडः॥ जलभरुगीजलभरु  
 गः॥ निडनिडः॥ नीलपडकनीलपडकः॥ विणयविणयः॥ भव  
 भद्रलभवभद्रलः॥ सुलभालिनीसुलभाली॥ मिडमिडः॥ भद

श्री.  
 भो. म.  
 ३२



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



श्री.  
भा. ५.  
५५



वरादः॥ भदेझीभदेझः॥ मभझीमभझः॥ भदलझीभदलझः॥  
मचंमंछोऊं॥ मचमंछोऊं॥ मचविदूव॥ मचविदूव॥  
मचकसू॥ मचकसू॥ मचवमीकर॥ मचवमैकर॥  
मचमिनीमचमैमनः॥ मचभदझमीमचभदझमः॥ मचाप  
मगीमचापिमरः॥ मचगीणीमचगीणः॥ मचयैनिःमचयैलिः॥  
मचाशिप॥ मचाशिप॥ इलेऊंभेदरमऊं॥ मचिरीइलेऊं॥  
भेदरमऊं॥ मचिरी॥ प्रकएयोगिरीप्रकएयोगी॥ कभकसू॥ क  
भकसू॥ वहुकसू॥ वहुकसू॥ मदङ्करकसू॥ म



ऊङ्कारकसु॥ मङ्कारकसु॥ मङ्कारकसु॥ भवकसु॥ भव  
 कसु॥ उपकसु॥ उपकसु॥ रभकसु॥ रभकसु॥  
 गङ्कारकसु॥ गङ्कारकसु॥ मिङ्कारकसु॥ मिङ्कारकसु॥ ऐङ्कार  
 सु॥ ऐङ्कारकसु॥ अङ्कारकसु॥ अङ्कारकसु॥ रभकसु॥  
 रभकसु॥ रीङ्कारकसु॥ रीङ्कारकसु॥ ७९॥ अथ  
 वयवभगीपयः॥ शुङ्कारकसु॥ शुङ्कारकसु॥ अमङ्कारकसु॥  
 अमङ्कारकसु॥ मङ्गीरकसु॥ मङ्गीरकसु॥ भवम  
 परिप्रकमरुअभिनीभवमपरिप्रकमरुअभिनी॥ उपुय

श्री.  
 भो. म.  
 ३०



गिरीगुपुयंगी॥ अरझकमभ अरझकमभः॥ अरझलेप अरझले  
पः॥ अरझभापल अरझभापलः॥ अरझभमरा अरझभमरः॥  
अरझभमरा उरा अरझभमरा उरः॥ अरझवेगिरी अरझवेगः॥ अ  
रझकुम अरझकुमः॥ अरझभली अरझभली॥ भवमंढेक  
भरुभ भिरी भवमंढेक॥ भरुभ भिरी॥ गुपुतरयै गिरीगुपुतर  
यैगी॥ भवमंढेक॥ भवमंढेक॥ भवमंढेक॥ भवमंढेक॥ भवमंढेक॥  
भवमंढेक॥ भवमंढेक॥ भवमंढेक॥ भवमंढेक॥ भवमंढेक॥ भवमंढेक॥  
भवमंढेक॥ भवमंढेक॥ भवमंढेक॥ भवमंढेक॥ भवमंढेक॥ भवमंढेक॥



श्री.  
मो. ५.  
३१



क म प्र म म च क म प्र मः॥ म च दः प वि भे मि नी॥ म च दः प वि भे  
मि नः॥ म च म द प्र म म नी म च म द प्र म म नः॥ म च वि प्र नि व  
नि नी म च वि प्र नि व नि नीः॥ म च द म म नी म च द म म नः  
म च भे ठ गु म यि नी म च भे ठ गु म यी॥ म च क म ए क म क  
भु मि नी म च क म ए क म क भु मी॥ कु ले डी लु यो गि नी कु ले  
डी लु यो गी॥ म च ल म च लः॥ म च म जिः म च म कः॥ म चै सु द  
प म म चै सु द प्र मः॥ म च ल म यी म च ल म यः॥ म च ह पि  
वि न मि नी म च ह पि वि न मि नः॥ म च ण म क प म च ण म क







मी॥ अङ्गुमिरी अङ्गुमी॥ भदकंभसुगी भदकंभसुगः॥ भदवङ्गु  
सुगी भदवङ्गुसुगः॥ भदरुगभालिरी भदरुगभाली॥ भदशिपु  
रभुङ्गी भदशिपुगङ्गुगः॥ भनभिदिप्रममरु अमिरी भव  
मिदिप्रममरु अमी॥ गडिगदभुयैगिरी अडिगदभुयैगी॥  
मीठुगिक मीठुगिकः॥ भव'रुभयमरु अमिरी भव'रु  
रुभयमरु अमी॥ पर'परगदभुयैगिरी पर'परगदभुयैगी॥  
शिपुशिपुगः॥ शिपुगसुगी शिपुगसुगः॥ शिपुगभुङ्गी शिपुगभुङ्गुगः॥  
शिपुगव'मिरी शिपुगव'मी॥ शिपुगमीः शिपुगमीः॥ शिपुगभालिरी



[illegible]

श्री.  
मं. ३७.

युगं



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



भक्त एवम्भक्त ~ भक्तिकुण्डलिकप्रभुकरगम्भक्त ~ भक्तवत्सल  
इकषमभिमभक्तं भक्तिगणतः ~ भक्तवत्सलगम्भक्तप्रभिमभक्ति  
ल्लितयः ॥०५॥ मगदलीनमदिकदामिममिरयुतं एएए  
उमक्तुतु ~ भक्तभक्तभक्तिः ~ भक्तवत्सलमभक्तवत्सल  
दिकभक्तुतु ~ उमभक्तिकुण्डलिकप्रभुकरगम्भक्त ~ मगदलीन  
मदिकदामिममिरयुतं ममियुतं एएए एवम्भक्तुतु  
एयष्टुष्टु ~ भक्तवत्सलमभक्तवत्सल ~ भक्तवत्सल  
भक्तिकुण्डलिकप्रभुकरगम्भक्त ~ भक्तवत्सल

श्रीः  
मे रु  
रु



श्रीः

पिडुनइ भउ मएर नं ठलि उरं व'मः कषंर भविम पडे भविदि  
उः कषंर ठवति॥ मपिडु ठवतु वेडुग॥ कीम सु ठलि उयः भप॥  
दीर मृदा भपरिभपरी॥ भपन मदिवडा दीर वम वडिउ कुगु  
वउ॥ मृदा वडा॥ भ श्री क वडा॥ भपरिभपरी॥ भपद प्रव'द ड  
डुगः॥ उइवर एभए रम'द॥ ०५॥ ॥ कवीरु॥ मेउः कभ  
लेवर ल'उप रुमिंठ एतेय भउः कडिमि मरु॥ मेवरुव  
डीभा॥ विगिडि प्रयभु मुरल उर म इगल दगी गकी ठिच  
गिचि मणडि भउं र मभभी॥ ॥ ॥ ये भउः कडिमि उ



श्री.  
प्र. ५.  
२०.



ॐ उरल उरव मभ सुउर य म उरल दरी म उर म उर उर  
न कीर गिरि उरः ॥ ७ ॥ उ म वि शी कि च म म मि भान् मि ल  
क ड म मि किः व मि उ उ कि म द ए र नि म मि उ य डि यः ॥ म  
क उ क उ ॐ क व डि म द उ क डि म क गे च म कि च गे वी व म र क  
भ ल म म म प रः ॥ ॥ दे ए र नि व म म वि शी कि म उ क ड क किः  
म मि भान् मि ल म म क उ प म ॐ मु म क ड क ए म म म  
क उ म भान् गिरि उरः ॥ क म कि डि उ उ डि उ य उ उ म मिः क डिः  
य म उ किः व मि उ मि किः ॥ व मि री क म म गी म मि री वि म ॥



लप्रमः एयिरी भवे शरी के लिनीतिः भदयभुं भेमिउय  
 ति॥ भभदउं कवुं रं भदकं वुं कउठवरति॥ केचमैतिः कीम  
 मैः रुद्रिभठगैः वरविषमवृगमर वैरुयुं विमेषठद्रयभु  
 ठिभठगैः मैठनैः॥ वगुं वीवमरकभल भैमभप्रैः भगभ  
 डीभाएगविठ भैगठवभप्रैः रुडै रिहजः॥ ०१॥॥ भमृ जये  
 पयकै रुडं वृरदिकभद॥ ८॥॥ छिउउर रुय किमुउर उर  
 लि श्रीभगलि ठिद्रिवं भवभवीभमलि भविभग्रं भगडियः  
 रुवडुभुडुभुडुवरदरि मलीनरयर भुदेववृववृकुरि

श्रीः  
 २३



कडि रगी च ग गि कः॥ ७३॥ उ न उ ग मी म ग णिः  
ग ल पि ड क डि ग ष्ट कु ड णि मु ड म सी णि गि डः॥ उ व ष्ट य णिः  
म गी र क डि णिः क र कु ड णि म चं मि व म क म म ची डु मि म  
न लि म रि म ग्रं लें दि ड क डि क व लि डं यः म र डि॥ म मु क रः  
क म पि रें व ष्ट म द व ष्ट र ठ व डि म पि ड ठ व डे व॥ इ मु डें रु म  
उ वि रु डे ये व न म रि द रि म ग मु ड कु ली रें म ड य म  
रं न य नं य मं ड उ ड डः॥ म रि मि ध रु ष्टी रं म र ड रं कं म ड  
प ड य र य र म डु प व ल न म प प त्र मा॥ ७३॥ ॥ कं म क ल ष्ट



श्रीः

[illegible]

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org







कथीरिन्मृते॥ दरिद्रकर्मभुभुप्रचठगेपं प्रपेभापियेनिकगभिषु  
 डि॥ सुषवदगच्चिवडिवल्लुसुयं॥ उभुचंमकरवकरयेरे प्रादिक  
 रकरे॥ वृहृयनभदिउं प्रापुचकरइपयेतिइति॥ सुषवदगेवि  
 मद्यः॥ उमचंरेद्वकगयेलेपाइं दिउयं॥ चडडिउपं॥ यद्वदरेदंभः  
 पमं॥ दकरभकरयेलेपादिद्वविभजाहं विद्वइयभवमिधुते॥ उइवं  
 येणरा॥ द्वाचंमंउडिभुइपंष्टयेउ॥ किनप्रकरे॥ विद्वभकरपेगिभं  
 भापद्वइ॥ उभुणेविभजाइकं विद्वसुयं ऊमसुयंद्वइ॥ उमः भमभ  
 कलंयेतिंष्टयेदिइनधनः॥ उहउइलइपमडिगेष्ट॥ उमभंभक

श्रीः

२२



उपहृते॥७उहृभकल'हृउंउहृहुहुउंपरभा॥न'मिष्टायप्रवक्तुहंनर  
ऊरु॥८मर॥७उहृकमभ'भाउरुहुएनभ'रेणयेः॥सुहृहृक'रभि  
वउभ'उहृक'गायेउ॥लेहृमेद'सुगच'सुवे'मुष्टाहु'प्रकमयेउ॥मिष्टिग'  
ऊहृभ'प्रोडिमभ'प्या'उविषालि'ठिगिडि॥यहृभ'पं'विहृ'रिडि'हृ'हृ'प'रि  
या'वयः॥भ'म'षकल'क'भ'के'मल'ये'हृ'य'हृ'भ'पिन'॥भ'भ'पि'भ'द'॥भ'पं  
व'उं'वि'हृ'द'हृ॥वि'हृ'भ'म'सं'भ'दि'उं'द'हृ॥उ'भ'पः'ऊ'म'य'गं'वि'हृ'भ'दि'उं  
द'हृ॥उ'म'पे'द'ग'च'भ'प'वि'हृ'वि'हृ'भ'दि'उं'द'हृ'हृ'ऊः॥व'य'प'प'क'ले  
भ'च'मि'हृ'भ'हृ'मि'डि'ये'ग'भ'ज'प'भ'ि'हृ'भ'॥॥॥उ'म'ऊं'दि'प'भ'भ'भ'भ'



श्रीः  
भो न.  
५५

ये॥ अषपाद्धि निरुक् कधु निष एभ्रल भिउ मष्टपा मपाद्धिः॥ अः कय  
मिरेण रेय मद्र विषये ह्ये विरिवउरीय सुहैः॥ क की मष्टुगुनः सुद्रु  
मम मंगी प्रग यिह मभीरै॥ रहु धुह मठ हं रग रिप विरै उल मी ह मर  
इ॥ न भाप चू निरुष्ट भिर मभल भडि मष्टुभा ह मषां भु॥ इह ठिड डिगु  
मं कभल एनिल ये भु पय मर मं भभा॥ कधु निगु मष्टु एलिङ्ग॥ रग रि  
पकलः॥ द मदि धी डि प्रच व मृष्टेय भा॥ ०७॥ म्मीय वी ए भाप रे पय उ  
ष्टुभा द॥॥॥ कि रती भद्र हः कि र निरु म्भ मउ रभा॥ रु मि ह मप  
डेदि भक ममिल भडि भिवयः॥ मभ द म्भ मं मभय डि मउ उ पिप



उवहारप्रभु मृधुभापयति मृधुभापयति ॥ १॥ यमपकः इदं  
मिषु ॥ मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥  
मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥  
मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥  
मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥  
मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥  
मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥  
मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥  
मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥  
मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥ मम मृधुभापयति ॥



श्री.

第五



भयविह'भिष्टुः॥॥॥उदुअभा॥कमिभते॥उतिउगमिउ'कंभकल'  
यच'ह'वर॥यचमेव'प्रन'ह'क'वर'भ'उग'लिकीभा॥अल'मिउ'  
द्र'र'उ'उ'द्र'ग'दि'ह'ल'उ'र'उ'तिभा॥ए'ये'उ'अ'लि'नी'मे'री'व'दि'ह'उ'ह'  
र'उ'पि'नी'भा॥ध'द्र'क'क'मि'नी'उ'म'क'ल'वि'म'इ'य'अ'क'भा॥उ'भ'व'  
व'क'ल'उ'प'मि'उ'य'र'र'क'र'न॥प'व'क'वर'य'ए'पु'क'वर'र'अ'नि  
क'रः॥भ'भ'य'भ'ग'ग'णी'भ'नै'ध'मी'ऊ'म'उ'मि'व'उ'ति॥॥॥३१॥॥॥उ'क'  
व'दि'ह'क'मे'भ'यि'वि'उ'ग'म'भि'भ'क'न'अ'भि'उ'मि'उ'उ'र'ह'क'ष'य'उ'  
क'व'दि'ह'भि'उ'यः॥उ'मे'व'उ'उ'मै'मि'म'भि'नि'ए'भ'य'ए'प'उ'वी'भ'ऊ'



कवद्वेष्टुष्टुमकृष्टीगणितयम॥११॥देवच'निभयिमम  
 कंभकनः॥मृष्टिंविउरप्रयसुति॥मइंमुंउंव'कुग'रुव'विउमि  
 ति॥पउ'वम'इय'कुस्य'तिम'ध'क'ग'य'व'ने'सुग'य'ति॥उम'व'इ'उम'  
 रिण'म'य'ए'प'म'ती'मि'म'भि'प'य'सु'मि॥की'म'सो'भ'ज'को'वि'प्रः'र'  
 द्र'ण'उ'उ'मः'प'क'म'भनः॥पउ'धं'भृ'ट'य'म'क'ट'उ'र'नी'ग'णि'उं  
 प'म'य'ष्ट'भु'भि'ह'रुः॥११॥दय'ह'द'व'भं'व'प'ग'य'गि'द'प'र'भ'न'भ'  
 म'गी'र'पं'म'भु'य'प'ग'भ'पि'म'ह'ह'उ'भ'कु'उ॥उ'ष'दि'द'रु'पं'भ'क'ल'भ'न'  
 ॥क'रि'य'नं'क'म'ह'म'भ'भ'क'ट'िल'म'मि'स'रु'ल'भ'क'ट'भा॥१३॥

श्री.  
 भो.  
 २१



इय' म' भ' च' भ' व' प' : द' ह' व' स' प' म' प' ण' दि' ~ म' गी' र' व' म' प' रि' श्रु' पु'  
न' ड' स' भ' डि' रा' दि' उ' र' म' र' म' ' क' र' ल' र' द' ह' उ' म' कु' मि' ति' म' ह्नु' ॥ उ' क'  
य' भि' ॥ उ' ष' दि' उ' वि' व' पु' ति' य' म' य' भि' ॥ इ' ह्नु' प' म' क' ल' म' म' ~ ॥ क'  
र' कु' व' ल' म' ॥ प्र' व' व' म' व' र' कु' म' भी' ग' ॥ इ' र' य' न' इ' ले' म' न' प्र' व' च' दि' र'  
य' र' म' भी' ग' ॥ कु' म' ह' म' र' म' प्र' ह्नु' प्र' व' म' व' कु' म' र' म' भी' ग' ॥ य'  
कुं' म' ह' य' कुं' ॥ कु' टि' ले' व' र' : स' सी' म' ह्नु' : पु' णे' य' इ' र' म' ह' ण' य' इ' र' व' उ'  
उ' वि' कु' उ' य' ह' उ' ग' ॥ कु' टि' ल' म' मि' म' ह' ल' य' म' कु' ट' मे' ति' उ' वि' कु' उ'  
य' इ' ति' ॥ क' ह्नु' ण' य' इ' र' व' र' इ' दि' ॥ प्र' व' उ' व' म' कु' ए' व' म' कु' ट' म' इ' म'



श्रीः  
भो ५.  
५३

भीगारममिचकुभा॥अवर॥जलिलममिरेवभभीग॥उज्जं  
प्रलुजलिलममीतिठवः॥विष्णुपद॥भोदिनीकुपुंठइसुचामंभ  
मंगवपःहुइ॥परमपिमरीरगंगीकुपुंठउभकुमिडिमइ॥उरूप  
मिडिमिरभोदिनीष्टरभकुभा॥१३॥उंएगकुउणउदरिरवडिज  
इःहुपयति॥डिरभुचत्रउइभपिवप्रगीमःभुगयति॥भमप्रचभ  
चंडमिभभत्रगहुडिभमिव॥भुवहुभालभुवमंकिउयेहुल  
डिकयेः॥१४॥हुमंकिउयेहुललयेभुवहुलडिकये॥गहुभाल  
भुप्र॥णउरुइएगइभभंभउभएति॥दरिचिह्रगवरिरकडि



मंदरकडु मद्रः कपयति न मयति ॥ रंस्व गोरि एमे दे तिगो डे ॥ म  
द्रप्रचः मिव भ्रम मिव भ्रम चं उ मि म भन ग ह्रु ति ॥ भ्रं इ रिगी एठ  
वर भ्रपयति पुरः भ्र पु र न ग द य ॥ ॥ ॥ उ म उ म भ्र व मी पि क यं  
भ्र पि भ्रि डु प मं द र पि ण र न ग द ड क भा ॥ क डं प ड वि पं य भ्र डं  
न भः म भ्र उ मिव भा ॥ वि ड्र प डे पि ॥ पं म र ड्र उ न उ वि ड्र भ्र डं मु डं  
ट ठि न ड्र न क पृ न प प डिः ॥ १८ ॥ उ ड्र यं ए मे व रं डि गु ॥ ण रि  
उ रं प र मि वे ॥ ठ वे ड्र ए प्र ए उ व म र ॥ ये द वि र मि उ ॥ उ षा दि ड्र ड  
मे ड्र द र भालि पा ॥ ठे क रि क ए ॥ भ्रि उ ड्र उ म भ्र भ्र उ लि उ ड्र उं भ



भक्तः ॥ १५ ॥ देवगमिवे प्रइ उडि कुवने क मिश्र ० ॥ उत्तमा  
 यैः या प्रए विगमिठ भ इगु ए विगनं भ इगण भु मे ए विग  
 नं ॥ इय ए देव नं वृद्ध विष्क मरु ए भा रुवे उ ए यतः इ श्रु म  
 वृद्ध दती उडि उ म सु द नं य म लि थी ० उ मु नि क ए म सु विग उ  
 भ उ भि उ की म म भ उ लि उ क रें उ म भ उ ए भु क लि उ क र  
 प रें उ म भु भ उ ए ये धं उ प उ डी उ उ ॥ ॥ उ उ म मे वी प र ए  
 विष्क प्र ए म द भु लि मि व प्र ए म उ रि म सु भि क म र ए भ  
 यः क लो रं उ डि धे म भा ॥ ॥ १५ ॥ वृद्ध विग र ए यैः या वि

श्री ॥  
 २७ ॥



विगमिष्ठम'इय'मपिप्र'रु'र'उ॥ न'उ'उ'दि॥ इ'स'र'~'ये:प्र  
पि'प्र'ए'र'उ'धं'भ'ने'उ'उ'उ'द'॥ उ'ष'दी'ति॥ उ'ष'म'ग'ए'प्र'ए'य'भ'॥  
ह'ह'प्र'प'प'प'प'त्र'ति॥ ३५॥ तें'वि'गि'लि'पि'प'प'उ'उ'र'ए'ति'द'गि'र'  
प्रे'ति'वि'ग'र'र'वि'र'म'की'र'म'र'ए'ति'प'न'म'य'ति'वि'प'न'भ'॥ वि'उ'र'  
भ'दे'दी'र'उ'ति'ग'पि'भं'भी'लि'ति'र'म'भ'द'मं'भ'प'मि'वि'ल'भ'ति  
भ'ति'इ'इ'उ'र'भे'॥ ३६॥ दे'भ'ति'प'ति'र'उ'॥ अ'भि'र'म'द'मं'भ'ग'वि'र'  
लि:र'द'प्र'प'उ'इ'भ'ति'र'ए'उ'॥ द'गि'ति'र'कु:वि'र'ति'र'म'भ'प्रे'ति॥  
की'र'म'य'भे'वि'र'मं'भ'र'~'र'ए'ति॥ प'न'म:ऊ'वे'ग'वि'प'न'प'~'वि



ये गंगयति॥ भदे श्री भदे सु भभु विगी म म म ड रं म द्वा धं विउतिः  
 पग भद्र विउ सु विगउ निद्रु पि भं भी लति॥ अ भे ड सु हि सि द्वा डि  
 श्री रु डि उष उ वें व यं पू ठ व ड डि रु वः॥ ७०॥ उं णा पें ण ल्यः मि  
 ल्यं भ क ल भ पि भ सु वि ग म नं ग डिः पू म हि ठ रु म भ म म र  
 सु रु उ वि णिः॥ ७१॥ भ भं वें म म्भु प भ पि ल भ इ रु पिय॥  
 भ प द यं प द सु व रु व ड य म्भु विल मि उ मा॥ ७१॥ य म्भु विल मि  
 उं॥ उ ड व भ प द प द यः प्र ह म र र भ पे ये रु व ड॥ विल मि उ म र  
 द॥ ए ल्य सु सु रु रु व ल ए पे रु व ड॥ भ क ल भ पि मि ल्यं ह्य प र

श्री  
 भे रु  
 प



भद्र विगमने ठ व उ ॥ गति सु सु ग भ नं उ व प्र म द्वि ट सु भ नं ॥  
 ठ व उ ॥ अ म र मि ठ ए र मि उ व सु द्र उ वि पिः दै भ क म ठ व उ ॥ मं  
 वे मः म य र उ व प्र ॥ मे ठ व उ ॥ अपिलं भा पं नि सु मि सु म य  
 म म ठ व उ ॥ ११ ॥ छे म म रे मी रे हः मिय भ नि म भ म व म  
 म मी भ म म मे म द प्र क र भ क र मं वि कि र डि ॥ उ व भि म म र  
 भु व क म म ग य उ म र ल नि भ म म म ली वः क र म म र ले ध द र  
 म उ म ॥ ११ ॥ मी रे हं म रि हं सु म व म म मी व लु म म मी ल डी  
 म म प्र य सु ति भ ति ॥ अ म मं रु य सु म ॥ मे म द प्र क र भ व ल र



五

श्री.  
५५  
५०



भण'भ'अ'उ॥ विणिभउभाण'उ'मि विधमैवद्रे इ'इ'भ'च'गे  
 व'विप'इ'उ'भ्रिय'उ॥ य'उ'क'ग'लंठ'य'र'कं'हो'इ'म'भ'इ'भ'ष'व'  
 इ'उं'वि'धं'क'व'लि'उ'च'उः'म'भैः॥ र'क'ल'अ'भ'इ'क'ल'नं'गु'भ'नं  
 क'ल'अ'भ'इः'क'ल'नं'प्र'ति'व'उ'अ'ल'उ'अ'क'ग'लं॥ दे'ण'र'नि॥ उ  
 व'उ'ए'इ'भ'दि'भ'क'ल'ल'इ'र'लं'प्र'ठ'व'अ'ल'भि'इ'इ॥ उ'र'भि'डि  
 क'मि'इ'०ः॥ वि'प्र'प'दो॥ ए'र'नं'ए'अ'वि'इ'उ'य'अ'भै'ए'न'री'ए  
 इ'व'इ'उ'अ'इ'व'ए'र'नि'उ॥ ए'अ'व'उ'अ'ए'इ'कः'प'ध'लं'इ'र'क'ल'इ'द  
 म'ल'क'इ'प'डि'यः॥ म'भैः'र'क'ल'क'ल'न'इ'उ'वै'र'भ'दि'भ'इ'इ'॥ १०॥



तें किरीटं वैरि छं प रि द ग प रः कै ट ठ ठि मः क ० र कें टी रे भू ल  
 भि रा दि रा भू रि भू ज ट भा ॥ पू ० भू भू उ उ प प म ठ भ ठि य उ उ म  
 ठ व रं ठ व भू ड ड रं उ व प रि रा रें जि वि रा य उ ॥ ३ ॥ वै रि छं वू ड  
 भ भू त्रि नं किरीटं भू ज टं प रें गू प रि द ग ॥ उं रा उं म ॥ कै ट ठ ठि मं मु  
 वि छेंः क ० र कें ठि र कें टी रे भू ज टं भू ल भि ॥ रा भू रि भू मं भू  
 भू ज टं रा दि उ रा ॥ द उ उं उं रा ॥ रा द गी उं मः ॥ क वं भू मं प रं भू  
 क प रें रा रं भू ॥ रा क रं भू रं कं म उं म ॥ य ड द रं उं गं भू रं गं  
 उं म ॥ रा दि ॥ गं भू य उं म ॥ प रं य उं म ॥ प उं प रं भू मं वि वि रं भू

श्री.  
 भू.  
 ५७



श्रीः

मङ्गलं प्रमथं दण्डवत्प्रणम्य दभगउभृठवभृमिवभृमृङ्गप  
परिणयनं भापी रागनभक्तिचिरायतेमैठतेऽङ्गः ॥ ३ ॥ उं  
मउधृष्टुउदैभृकलभठिमठयकुवनं ॥ भिउभुउभिदिप्रभव  
गपरउदैः पसुपतिः ॥ पुनभृत्रिउरुमपिलप्रमधुअकप्पएर ॥  
मउनंउउदैदिउितलभवतीउरमिभभा ॥ ३० ॥ मउधृष्टिभाए  
कैभृदैः मभृभृकलेकुवनभठिमठयवंमयिह ॥ पसुपतिः मि  
एः भिउः ॥ उउभिदिप्रभगपरउदैरुपममकैः ॥ इत्रिउरुदुरः  
उउदैउवमभं ॥ दिउितलपरलितलभवतीउरमवउरयभम ॥



ॐ  
श्रीः  
मो ३।  
५३

कीममं॥ अपिलपुनधाऊरभपिपमऊकभभह॥ चकंय  
एनय॥ भकउचपुयेणरभएचउउमहएपहभित्तः॥ ३०  
मंषलेपाभइविहभद॥ ॥ ॐमिवः मतिः कभः भित्तिपगविः  
मीउकिरलः॥ भूरेंदंभः मरुमुमरमपरभभइयः॥ मभीन  
ल्लोपाठिभिमठिरवभरेषुप्यएउ॥ कएउवल्लभेइएरवि  
नभावयवउभा॥ ३१॥ देएरवि॥ मभीउवल्लभुवनभयव  
उं॥ इमइएवउवनभउभुवयवउं॥ एकउंठएउि॥ वल्लपि  
एउि॥ मिर्वेदकरः॥ मउभुकरः॥ कभककरः॥ विउिउक



१॥ अथ मन्त्रः प्रचरीण हवस्ते मर्के परवीणि परूभायु ॥ रविदकरः ॥  
मीतकिर लभकरः ॥ अरककरः ॥ दंभेदकरः ॥ मरूलेकरः ॥ उमर  
उमरतुगभिडि प्रचरीण हवस्ते मया ॥ परभकरः ॥ भारककरेदगिः  
लकरः ॥ कीम मरूले अरभनेषाप ऋ इयतुं ॥ उभ ठि हल्लोप  
ठि कुवने मृगीनी ॥ अण्डि अरव ह्रु उह्रुः ॥ ॥ ॥ ह्रि लोपे वएगडि  
पू ल मज्जि रियं पर ॥ हल्लोप कष्ट उत अर मय वै मिडू वै रुवत ॥ अ  
रय गदि उः भवे विलीव भत्र मयः ॥ अउमु भवे भत्र लभिय भत्र  
॥ ममता ॥ उडि अमु मभ्रुदव मर ॥ विह्र पहे ॥ एवनी पत्र उडि



श्रीः  
भ ३  
५६

त्राभैकमेसतामभीठणउ॥उवैवइइभुइइमेवभीपांभिदिप्रमइमि  
उठवः॥दरिभं कचः॥कभलपडिउंकीपडिः॥राभभटवलुची  
एइयनिममिहमयः॥यमएननंकर॥उभभुवैराभुभीडिए  
नरीविह॥भुमपेसंएननिगोपालपुकरभभु॥भद॥गोपालपु  
करपंममसीहं॥भनगीगोपालभनइइगडिठवः॥वमदिवनैगिडिव  
इभइभा॥३३॥कभगएविहभभुरडि॥॥॥उंभरंयैनिलकीइउ  
यभिमभाहउवभनै॥निणयैकेनिहैनिगवणिभदठगरभिकः॥  
एपडिइंमिउ'भलिगु॥निरमूकवलया॥मिवग्रेणइइभभ

वैमदिव  
दिविभभभुइपेयभा



[illegible]



उपवर्गोसुगीभंभीलनएउवेमभि॥इइरः॥भंभभदमयउः॥सुक  
 दयवृत्रंएदेउ॥इउभुउमपुयइर॥किप्यउणरइउमउंउरिउमि  
 वयो॥भदठेगरभिकः॥पुलइउिरभिक॥उउिवउः॥सषाषच  
 वेमभोठयक॥कभेयेनिकभलवइपाविचददभेभउरिच  
 इभिकः॥परनुदभकलभाययेधपरभैधविचभउमिचिइउि  
 उयेमेपि॥उउेभायकिः॥पुनइपरेयउ॥उउि॥उउेपैरभेचदयउले  
 कः॥भायकिइल्लोपाकि॥रइइपरेयउ॥उषादिइल्लोपासाः॥पंम  
 एमोमउचविठगमि॥एकवउि॥उइदकररेठदकगवि॥उमु

श्रीः  
 ओ न  
 ५५



इमभिरिति पञ्चण विरगो वगुर्वेद्यतिः॥ दकर इयं उक्ता मभिरिति  
पञ्च विरगो रकभरगो र्द्यतिः॥ दकरे र्दे रं क रोरिच रिडि यउच वि  
रगो रमज्जिउ ऐद्यति रिडि॥ पउभ्रा विष्टयः पंमम स करं दृष्टाष्ट उभ  
भरमे लभ॥ मम पंम कठ मर प्प पञ्च भु विल मिनः॥ भाद्वि ली पञ्च  
करीय भ्रउ भ्रउ मम स करी॥ एयउ भिवर उ प रि लभ डि विर सुगी  
ति पंमममः॥ विष्णु पञ्च॥ भ्रगः ली यो रिः क्री लक्ष्मीः श्री॥ उवभने भ्र  
गी गे भाल भ्रउ वै प गी हरे धूम स करे लव॥ उरग राग राग सुग॥ विंमद्व  
लः भ्रग भिहउ वग॥ भ्रने की म मे रिडि॥ भ्रव ग्रे मे धं मभ रभा॥ उ३॥॥



छे मगीरुं संभूः समिभिदिगवहो नदयगं वं इरं भट्टकगवति  
 वं इरं भट्टकगवति ॥ अतः स्नेहस्नेही इयभू नयभू ॥ अतः स्नेहस्नेही  
 भूत्वेवं भभगभपग रभपगयेः ॥ ॥ ॥ देरुगवति ॥ इं मभूः मगीरं की  
 रु. सं ॥ समिभिदिगं मभू भूदे वहो नदय मुने यमु भुडुष ॥ ॥ ॥ उद्रुं  
 मभू भूदे मुने ये वु भूवे वरय रेभू ॥ ॥ उठे उठे वगल भिडे धवे  
 यिकी सुतिगिति ॥ ॥ ॥ नर इरं नर वट्ट द इकं के र व भू इपं ॥ वुद भू ॥  
 कल वुदः कल वुदे र भ वुद भू वे वम ॥ ॥ लु र वुद भू व मिड वुद भू भू  
 मरुतगभा ॥ ॥ नर वुद भू व मिड वुद भू भू मरुतगभा ॥ ॥ सुद्र वुद भू व

श्री  
 मे  
 य



[illegible]



श्री  
नमः  
५१



भक्तं भक्तं यः इति भक्तिं भक्तं गवि गवि गवि सुपेण लं कु  
मिः पविरी इयिप गि उयं भक्तं पंगि त्रंक दं न सि इमे  
वक्तव्य लील विमेष मिम रक्तं कर भक्तं न विम्व पध एण  
गद्रूपे विह्व कि भक्तं परि भयि डं परि भं प्र पयि डं  
उद्रुक्तं मडः मडं इप ग प ग म मा जि ग हु एउ भक्तं सुगी भु  
ल अद्रु विक्तं ग त इ लै तै इ डि भक्तं क कलुली न उ विम्व प  
उद्रु ग भक्तं कु पि उभु परि उयं उ रा कि छि र ग मि भु उ  
डा डि ॥ ७५ ॥ अथ भक्तं मि प दु इ न म भक्तं न भक्तं य न ॥ ७६

भक्तं



श्री.  
मं. ५.  
५५



स्त्रिउंरिवमति॥ कीरुसेरिगलेके॥ शुलेकेउरुउरुउरुपुकमेउ  
इरुः॥॥॥उषमसूतिः॥॥॥उउइअदेठठिरममउरुउरुकेरुभावि  
इउरुठठिउरुउयमपिः॥उमेवरुउमरुठठिमवेउरुउरुममवमि  
मविठठिउरुउति॥॥॥अइकलिकयं॥परमभुनवपदकंप्रणय  
मिपगमिभुनश्रीपदकंप्रणयभीइउःमंप्रण॥मउधुधि  
मलेधुप्रवेउमउधुधिरुमयःप्रणरीयः॥परमभुमरुधु  
पिउरुमः॥उ॥॥रुमप्रपुनरुमगमिभाएमवमेहैमुठि॥॥॥  
उंरिवमुउउरुउरुउरुठठिकविधमंउमभनकेमिचंवउरुमेवीमपि

मेव



सिवभभंरहभरिरीभा॥ययैःकडुयडुमसिकिरभभु  
 एभगल्लिविप्रडुडुडुविलभडिमकैगीवरणगडी॥॥डेउव  
 भ्राणिधूरुडु॥विमुडुकरुधुपेडुममलमडु॥धुटिकविध  
 मंभ्रुडुंहुभरणकंगगरकरल्लमिवंहुभेभ्रगरवरभं॥मेवीभ  
 पिहभेभ्रदभंवरु॥कीरुमीमिवैरभभंरहुभहपधःहुभरण  
 ररुडुलेयभुभु॥ययैहुभेभ्ररहुभेभ्रदः॥कडुयडुगदिन  
 कडु॥रुभ्रणगडीरणगडुतिःगीणभभुतिःमकैगीवविलभडि  
 मेठु॥मसिकिरल्लनभभुपुंभभंरभगल्ल॥भुधल्लपडुडुडु

श्री.  
 भे.रु.  
 १७



भुभ्र॥ उषरिगभुरद्विषयेहः॥ भद्रतिगिहृजः॥ कठकभल  
कलिकयं॥ हेभेभ्रगमीरेषमीपदकंप्रणयामि॥ हेभेभ्रदभ  
मीपदकंप्रणयामि॥ उतिभभ्रहृ॥ परिउंभ्रमपुतिगभ्रयः॥  
रुम॥ उतिउत्रभभ्रभंयेहृ॥ प्रहृभ्रतिरुमः॥ ३१॥ रुमप्रपु  
दयहृगभ्रिभाएकुठंमेवमेहृभ्रति॥॥॥ हेभभमीलउंविहृ  
भलभकगभ्रैकगभ्रिकंठणेदंभभ्रकुंकिभपिभदउंभंरभम  
भ॥ यमलपमभ्रममगुलिउविहृपरि॥ उियमपउंम  
धभ्रु॥ भभलभहृपयउव॥॥॥ भभमीलतीप्रकंमभंरय



श्री.  
भ. स.



विष्टुपुपमभक्तमैपंविनष्टु॥गु~भाप~अ~इ~उ~र~अ~उ~पु~उं~ह~  
जीहृः॥अमुएणल'अयेमगुभिरेहृः॥प्रएरुमस्रैजैकी  
हैव॥॥॥३॥॥रुमप्र'पुउंएणमभाएकुउंमेवमेहोप्र'द॥॥॥उंउव  
आणिधु'रेद्रउवदभ'णिधु'यनिगउंउभीमेसंवउंएवरिमदमै  
उंममभय'भा॥यमलैकेलैक'रुदडिभदडिऊँएकलिले,म  
य'रु'रु'धिसु'मिमिगभप'म'ग'मयडि॥॥॥दे'णाररि/उवहृम  
णिधु'उ'आ'णिधु'र'र'ठिम'रु'म'स'मलेम'भुवरु'म॥॥आ'णिधु'र'  
भालि'प्र'ग'ये'भुलवैपगीहं॥द्रउवदभ'मिभ'णिधु'य॥रिगउं



मं

भ्रिउंभंवउंभंवउंभ्रगभंउंभ्रभिउं॥उंभ्रभिउंभदगीभति  
मयिउंभभयंभदभयल्लक॥भीदेभुभि॥यमल्लेकेयभ्रमं  
वउंभ्रगभ्र॥भदल्लेकेगीह्रउगल॥ललल्लेपरनल्लेएक  
लिलेभल्लिदीह्रल्ल॥केपरभभविभ्र॥लेकंनंभ्रह्रममउ  
वरविमदतिभति॥ययभ्रकन॥भ्रकेभल्लमिभदविभ्रति  
यवउ॥उउवभभयभ्रउपयभ्रभिः॥मिमिभभपभयंमैहभ  
भ्रभ्रभ्रभ्रलीवरंकगीगीह्र॥॥विभ्रपह॥एभभभ्रभ्र  
तिणभ्रमलीणीवभ्रभ्रभदगीभतिमयिउं॥एभभ्रभ्रगीभति

श्री  
मं  
१०







रपगपदयं निषेवे॥ कीम सं॥ महु भे मभिह भय भउ सुद  
 पगर भो यय उदिइ उं मे मभिरी यऊं भनें॥ कीम सु डि  
 भिर मभल्ल नं व॥ परिपक्ति मकं म्हरं क डिद भामु  
 य॥ कीम सं वं न र ड करं परि म्हुं सि उं ड म्हुं प व दे न उं  
 परः कीम सं॥ दग डु पे पृ गु ऊं भ व ड सु रे म्हुं दे उं पुं॥  
 उपिउ मउ ड विह ड पिण उः विष॥ डिउ व नं डे ले लं व च  
 उं मिह उं॥ रु भ प्रो पि प जिव ग मि भा ए मे व मे हें प्र द॥ २॥  
 उं उ व ण म्हुं भले म द म भ य य ल म्हुं य ग य र व ड नं व ड न व

श्री.  
 मे न  
 २७



रमभदउ'अवरएभा'उठहभउह'भठयविणिभदि'सुंय  
यय'भन'षा'हं'ए'ए'ए'र'क'ए'र'नी'भ'ए'ग'दि'म'भा'॥॥॥उव  
इ'म'णि'वि'उ'अ'ले'सु'ण'ग'म'उ'इ'म'म'ले'अ'ल'ए'ग'म'र'॥ल'सुं  
म'ए'र'भ'मि'उ'च'उं'॥उ'इ'र'भ'भ'य'ए'म'ह'॥भ'द'न'व'इ'र'न'  
व'उ'॥ए'इ'क'भ'द'वि'ह'इ'क'॥य'इ'प्र'वे'उं'॥र'व'वु'द'उ'प'र'व'  
प'अ'र'ल'इ'क'व'॥व'सु'उ'र'व'ग'भ'उ'प'॥र'भ'वै'र'भ'उ'उ'म'  
उ'॥र'व'ग'भ'अ'हि'र'य'य'इ'उ'म'॥य'म'द'उ'इ'ह'स'ह'वि'म'  
ध'मु'अ'र'ए'भ'हि'र'य'क'॥व'इ'भ'ह'उ'इ'पि'प'०:॥७उ'ह'

य  
+



[illegible]

श्री.  
मं. क.  
७३



छं गडै मन्त्रं कुरु गगनमालिनि शुद्धं पटितं किरीटं उदै भं  
 दिभगिगिभुते कीडयतिकः॥ उभीदं यं कुरु यं गगनमवलं  
 मन्त्रमकलं पत्रः मेरुभीगं किमिति रत्नप्रतिष्ठितं भा॥  
 देदिभगिगिभुते॥ उदै भं मन्त्रं पटितं कः कीडयति॥ उष  
 पि उभीदं मेरुभिः॥ मालिनी रत्नविमेषकं गडैः पूषैः॥ गगन  
 मालिनि शुद्धं मन्त्रं इति शुद्धं मन्त्रं मन्त्रैः॥ मन्त्रं पटितं  
 स्त्रिषु उयं यैरायितं॥ यं मन्त्रं कुरु यं कुरु यं कुरु यं कुरु यं  
 लेपेन॥ मन्त्रं रत्नं मन्त्रं मन्त्रं कुरु॥ मेरुभीगं उदै भं

सु

क



भुवि एतः कम् कम् किमिति ॥ पिपः ॥ वृद्धि एत यती हुङ् ॥ ५७ ॥  
 उँ प्ररेड प्र' उँ र भुलि उ मलि उ मी वग वरं प्य व अ यं स्र ह्नु मि  
 उँ ग रि ऊ न म् उँ च मि वे ॥ यमी यं भे ग हं भ द ए भ प ल वं स भ र मे  
 व भ उ भि म् उँ व ल भ ष र व ए वि ए पि र भा ॥ ॥ दे मि वे ॥ उँ व  
 मि ऊ ग रि म यः म ल क म भ दः ॥ नै म् कं प्र' उँ म ह्नु रं प्र रे ड व म  
 य ड ॥ की न् मं ड लि उ भ प भि उं ॥ म लि उं वि क मि उं य मि मी व रं म्  
 म क म ल उँ म् व रं ये र उ उ ॥ प्य रं नि वि कं म उ ड् मि गं स्र ह्नु म् उ उ  
 ग ॥ अ ह्नु म् उँ ल उ गी यं मि ऊ ग रि ऊ न म् ॥ यं म् ग हं भ द ए भ म्

श्री.  
 भो. मं.  
 ७२



[illegible]



श्री.  
मो. ५५

कवरीरुग॥ केमपमापवतिभिगभत्रकग॥ उष्टुविधं क'तीरं  
द्विध'भिउध'०॥ डिभिगडुपमइ॥ व'व'मै'म'म'द'व'मी'न'उं  
विणिह॥ ग'दी'उं'र'वी'र'क'कि'र'ल'ल'मि'ह'म'घा'प'भि'व'॥ प  
र'की'रु'मी॥ उ'व'मं'र'सु'य'भे'म'द'ल'द'गी'ल'व'ट'उ'ग'द'सु'रु  
गी'व'द'जं'य'इ'उ'उ'म'ग'ल'ः॥ पू'ल'ल'के'व'प'गी'व'द'॥ र'भे'रु  
उ'ए'ल'र'दि'म'ग'ल'उ'र'भे'म'द'सु'उ'उ'प'रि'प्र'रि'उ'उं'प्र'उ'उ'॥ वि  
सु'प'ह'॥ गी'म'ग'ल'क'ल'॥ र'वी'र'क'कि'र'ल'व'द'उ'॥ उ'व'मी'भ'म  
ग'ल'ः॥ भ'म'ह'भं'उ'र'उ'॥ क'भि'र'भि'म'ग'भि'व'॥ म'उ'प'व'मी'भ'उ



पमपमसं॥ कृत्रं हंभानि गितियहिलिपिउं प्रक॥ म॥ ॥ ॥ ॥  
प्रगलेः प्रकृष्ट मलिजलदभक्तीकिगलकै॥ पगीउंउवउं॥  
पगिदभतिपहृनदममिभ॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥  
ल्लल्लु नमिगेभगत्रेभ'हृतिभ्रमभषरमद्वमप्रलिक॥॥॥  
प्रलकैः ऊंउलैः पगीउं वषिउं॥ उउववउं॥ भापंयकउ॥ प॥  
मदममिंकमलकडिंपगिरुवडिडिगभ्रुगैडि॥ कीममैगलकै  
गलिजलंरुभमभ्रदं दम॥ डीडिप्रलिजलदभक्तीः म॥  
हृयेधंउं॥ प्रलिकमलमीकिः॥ प्रलिजलदभम'रकंति



ठिगिहृज्॥ यश्चिब्रुम्भरभषरधुमभेः मङ्गुष्टेवभषलिदः  
 रुभरभहृति॥ कीम्मेममभरगंधदिकभिउ॥ ममरमम  
 येमनुकउयपरकिस्तत्कः किभरहृदमकरि॥ उमगिर  
 भरेल्लभगात्रेभेरुमलिनि॥ २॥ विष्णुपद॥ देभरभषर॥  
 भ्रगल्गोपीः भषात्रीहृज्॥ यद्वा॥ रुज्जुभ्रभष्रति॥ यश्चि  
 म्रङ्गः भषलिदेभहृत्रीहृत्रयः॥ २५॥ उल्ललाटलचट  
 हृतिभिलितभरुतिउवयद्विगीयंतमृभ्रजटममिपण्ड  
 भ्रमकलभा॥ विपदमहृभ्ररुयभपिभंरुयभभिषःभ

श्री.  
 भे. म.  
 ७



पल्लवः सुतिः॥ परिभ्रमति कदिभकरः॥ उवललललल  
वष्टरभेः सुदे॥ सुटकं सुमतिभल्लयमठ तिउता॥ भक्त  
एमिापः सुष्टिद्वितीयं सकलं पदं भट्ट॥ उष्टुदुभद॥  
विपदं भट्टं भद्रं यमपि मं प्यष्ट॥ मिलितं यमं रुवति उष्टु  
भणल्लपनं सुतिः॥ एष्टुयैकीठव॥ यष्टुभगं कदिभकरः  
प्रलिभं मं सुः परिभ्रमति मभद्रं सुष्टु उष्टुः॥ २॥ उष्टुव  
कुष्टाकिष्टिद्विद्वनरुवकं सुष्टुमतिभल्लयमठ तिउता॥ भक्त  
मिष्टुं पडुगुल॥ एष्टुमं भट्टं उष्टु कगगदी उष्टुतिपाति॥ ५



के प्रभु म भुगयति निगुरु उगभिम्भा ॥ ॥ ॥ दे उवन रुय रुद्र  
 वृभविनि ॥ एगगुरुय रुद्र रमीले इमेह मीये रुव ॥ भवैताक  
 गगदीउं ॥ वभदमुहू उं निगुरु उगभ' सु' मिउमएं ॥ गतिपतिः  
 क'मः ॥ प्रके प्रभु म भुगयति सु सु मयति उतिमह ॥ की सु  
 मेकि डिमु ग्रंथ सु ॥ भप क र म मिहं रु भ र उं ल' हं ॥ प उं ग  
 ल' मे ची य इउ ॥ २ ॥ ॥ ॥ उं भदः सु उं म हं उ व न य न म रु इ उ य'  
 दिय भं व भं उं भ ए डि ग ए नी र य क उ य' ॥ रु डी य भु धि सु उं  
 र म लि उ दे भ भु ए न मिः ॥ भ भ' उं म हं मि व भ नि म ये र उ म गी ॥ भा

श्री  
 भो म  
 ७१



उवमहिं नयसभककककय ॥ अद'ककककककः मकः  
वंभुउमएणति ॥ व'भंरयरंगणरीर'कककय ॥ म'मूइइइः  
इय'भं'गइंगमएणति ॥ उउवइगीय'क'पिः ॥ कलभ'पिउ  
म'गल्लिउदेभ'भुएणक'मि ॥ गीषडिक'भिउकरक'क'मल  
क'तिः ॥ दिवभ'रिमयैः मिरग'इः ॥ अउरमंगीभ'एवाडिं  
म'हुं'भ'भ'पडेणरयगीइऊः ॥ २३ ॥ उंविम'ल'क'लु' ॥  
भू'र'मिगयै'ए'ऊ'क'ल'यैः न'प'प'प'प'कि'भ'पि'भ'व  
ग'इंगवडिक' ॥ अ'व'उगी'क'पि'मु'व'इ'र'ग'ग'वि'भु'ग'वि'ए'य'



प्रवंतुतत्रमहवदगं येष्टु विष्णुयुक्तः ॥ उतवमृष्टिचि  
 णयुक्तुहृत्तयः ॥ कीमृष्टीवद्वरंरगगं विष्णुयुष्टिचि  
 लतः ॥ गुं विष्णुयुष्टिचि ॥ उमं उमंरगगीं  
 रमृष्टिचि वदगं वदगंमुष्टुष्टु ॥ वदगंरगगीं विष्णुयुष्टिचि  
 यतिपं ॥ वदगंरगगीं विष्णुयुष्टिचि ॥ मेति ॥  
 मृष्टिचिमेव ॥ उतत्रमहवदगं येष्टुमेवमृष्टिचि ॥  
 विमलविष्णुलविमलरमृष्टिचि ॥ कलुं कलुं  
 गुं विमिष्टुगं वदगगीम ॥ मृष्टिचि वदगं कति ॥ उ

उ  
 मे  
 ३



श्रीः

मं बलये गिमी वरे स पक्षी भङ्ग ले स॥ अये ए ये दुभम स॥  
अये ए र भव गगी॥ क पा रा यः क न ट प्र व द भ ट ग कु उ  
ग ग र भव गगी म॥ कि भ ट रि च मी नी य भ व र भ र द र गु ॥  
भ व र र भ व र गगी म॥ भ व र भ व र क ल र गगी भ व र रि मि  
डे डि वि सु के मः॥ ठे ग व डि क ठे गः प्र भ उ द्दु गी॥ कः भः ॥ ठे ग  
व डी पा उ ल र गगी म॥ सु व डी ठ ज ए र ग डी॥ सु व डी र भ व गगी  
म॥ म॥ क वी र भ व र सु व क भ क र के क ठ डि उ॥ क ए व डी व  
प र भ र क ल ठे क ल व ग ल भा॥ सु भ उ डी म धू उ व र व र भ भ



श्रीः

मउगल वभय भभक मलिक रयनं किं सिद्धं भा ॥ ५ ॥  
उवा लिक रयनं लला ऐनं क ॥ कए हंष्ट हंष्ट पाव पाङ्ग वि  
भ्रर ॥ उववक लह भग कल ठे ष प म व ल के ॥ कल युगलः  
भभप्रुते मधु ॥ प्रभय भंभज अ कल पद उग भव ठ व र हंष्ट भं  
पक उ ॥ प्रभं रं किं सिद्धि उके ॥ कल युगल की म मं क वी  
नं हंष्ट भा मीनं भभठः व भुष्टः ॥ भपव भुवक भुइये भकरुः ॥  
मङ्गर मिग भभुरे केर ठ रिउ प्रल ॥ इ भग कल ठे की म मे ॥ व  
वर भा भ्रम उगले ॥ मङ्गर मिग भ भ्रम ले ल प्रे ॥ विष्णु पद

श्रीः

भो न.

२७







ਗੀਠਕੁਰਮਵਤੀ॥ ਗੰਗਾਯੰ ਸਿਵਾਸਿਰ ਮਿਵਤੁ ਮਾਰਯੰ॥ ਮਾਪਤੁ ਮਰ  
 ਖਤਿਰੇ ਮਰਮਾ॥ ਗਿਰਿਸਿ ਮਧਿ ਤਪਾ ਮਰਾਗਿਨਿ ਸੂਰ ਲਯ ਮੁਦਿਧ  
 ਗਲੁ ਤੁਪੇ॥ ਵਿਸ਼੍ਵਾਯਵਤੀ॥ ਸਰੇਰਾ ਸੁਤਰਮਾ॥ ਦਰਾ ਮਾਦਿਠੇ ਠੀਤੁਰੇ  
 ਠਯਾਨਕਰਮਾ॥ ਮਰਮਿਨੁਦਾ ਕਮਲਾਨੰ ਮੋਰੁ ਦੰਤੁ ਮੁਧਾਧਿਨੀਤਿ  
 ਵੀਰਮਵਿਠਵਾ॥ ਮਾਧੀਪੁ ਸਿਵਰਗਾ ਮਿਪੁਤ੍ਰਪਰ ਮਸ਼ਰਾ॥ ਸੰਖਰੁ  
 ਮੁਵਤੀਯੰ॥ ਮਧਿਸ਼ੀਰੇ ਮਕਰੁ ਕਮਟਾਰ ਮਾਵਿਪੁਤੁਤਵਮੁ ਪ੍ਰਿਲੇ  
 ਯਤੀਤੁਤੁ ਆਸਰੀਤਿਪਾਠः॥ ਮੰਤ੍ਰੇਧਰਮਾ॥ ਪੌ॥ ਤੇਂਗਤੁ ਕਲੁ ਠੁਲੇ ਗ  
 ਨਤੁਤਵਪਦਾ ਲਿਖਤੀ॥ ਪੁਰੰਠੁਤੁਤੁਤੁ ਪ੍ਰਸਮਮਰ ਮਵਿਸ਼ਵਾਲਠ

ਸ੍ਰੀ  
 ਮੋ  
 ੧੦



श्री

ले॥ उभरेइ गेइ एगपडिऊ लेउं भकलिके॥ उव कल नुपुअर  
मगविल भंकलयउः॥ ५॥ देगेइ एगपडिऊ लेउं भकलिके॥ गेइ  
पुष्पीउं एगयडी डिगेइ एगः पवउ॥ सुधं पडिगी सुरी दिभालय॥ सु  
भुजलं वंस भुभेउं भकलिके॥ ऊधल करक सुउपा॥ उव भरेइ॥ सु  
कल नुपुअर मगविल भंकलयउः॥ कल पदउ नुपुअर भभाज मेठं॥ क  
लयउः मेठयउः॥ नैइकी ममेकल हलं कल विकएं गउपु  
गमउ उव वल पदना॥ पदना लिमगी एगयडी॥ पुरंठे उच्चिवभ॥  
पुसभर भविम वल दले मडिग भमगी करल दले॥ पुये एगमेवद



लंमलंययेरिडिपरिउंउपकभा॥५३॥विठऊइवल्हृउडिकरिउ  
 रीलाएरउय॥विठडिइत्रेइइउयभिग्भीमास'रमयिउ॥परभ  
 पुंमेव'मूदि'दरिग्म'परा॥५४॥विठऊइवल्हृउडिउ'अ'इ  
 यभिवा॥५५॥दे'म'रमयिउमिववल्हृ॥इत्रेइइउयभिग्भ'परा  
 उ'इल'यंग'उ'रा॥मूदि'दरिग्म'वल्हृविठ'भ'द'स'रा॥५६॥  
 पुं'रा'अ'इ'उ'भ'उ'डि'उ'अ'इ'यं'विठ'मि'व'विठ'डि॥की'म'म'र'इ'इ  
 यं॥उ'डि'क'रि'उ'री'ला'ए'र'उ'य'भ'भ'र'उ'य'भ'भ'रा'उ'य'॥विठऊइवल्हृ  
 विठऊ'भ'भ'इ'इ'व'ल्हृ'प'व'इ'व'ल्हृ'य'इ'डि॥विठऊइवल्हृ'उ'डि'क'ग'उ'

श्रीः  
 ओं नमो  
 १०







29



भुवनयनेगमुचपकिउ॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥  
यंकतिः कभलं एदति॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥  
विदुएरंमु॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥  
उडिलेकप्रमिडु॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥  
उवेडुडुभुडुएगलि॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥  
धंपूलयउः परिइडुंमकुपरिदुडुनिमेषभुवमः॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥  
उगएभुडुउरयो॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥  
रहंएगडीफ॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥



श्रीः

इह मे ध' उव' ले करे श्रीलन' सु उं प' म' हु उ म मे धं एंग ग उ ॥ पुलय उ मं  
 द ग उ भु व म म भु उं प गि ह उ रि मे धः ॥ उ उ रि भीलन' उ डि म ह ॥ उ क  
 य' भी ह उः ॥ प ७ ॥ उ म म' म् प्पी य म् म ग म लि उ नी ले ल न म म् म वी यं  
 मे मी रं अ प य न प य' म म पि मि वे म रे र' यं ए उ ठ व डि न म उ द मि गि य  
 उ व रे र' द ह्रे व' म म क ग रि प' उ दि म कः ॥ क मि वे ॥ न प य' क म य  
 म' म पि म वी यं मं म ग व डि नं मी रं मः पि उं ॥ म् प्पी य म् मी उ उ ग य' म म  
 म ग म लि उ नी ले ल न म ॥ गंध डि क मि उ म् म म री ए क' उ म् प ॥ अप  
 य' रं अ प रं र' यं ए उः न प' र' प म् ॥ पर भु उ व द रिः क डि उ ठ व डि व रं

श्री  
 मे म  
 १७



म्रीः

कनरेददुगुदे॥दिभकरसुदुभःभभारकरप्रभरैयभुभः॥य  
विधणीभभुपिमदुभ॥वरैदुवपदुपातः॥उषउवपिरिक  
एभ्रपदुपातै॥भयिदुवरभुदुमपदुपातः॥भभमिउउडिठवः॥  
उंभुदुनउपालीयगलभगरणउउभयै॥नकेधभाणउउभभ  
नरकेभउउउकभा॥उरस्त्रीरैयउभ्रव॥पषभभ्रदुविलभ  
त्रथाङ्गदुभ्रैदिमडिमरभ्ररपिध॥भ॥५३॥देभ्रगुगण  
उभ्रयैपचउगणप्रडि॥उउवगलेवरुंकरलंमपालीयगलं॥केधं  
मकभकदुककेउकंनणउरणउयडि॥भ्रपिउभ्रैधणउयगीह

५१



॥ ॐ ॥ यश्चालीयगलेति रञ्जीरेवतः सुवल् पषंकल् ५३३ भ  
 लङ् ॥ विलभेष्टेठभारेपाङ्गवृमः कएठ विठे पः ॥ मरभ  
 वृरपिध ॥ ॐ ॥ मयेरा रचुदिं मिमतिमभ्यमयतीडुजः ॥  
 ॥ ॐ ॥ मयेरा रचुदिं मिमतिमभ्यमयतीडुजः ॥  
 उवभापमिमं मन्मषरषभा ॥ यभाम् ॥ ॐ ॥ मयेरा रचुदिं मिमतिमभ्यमयतीडुजः ॥  
 मयवीरिभारः ५३३ पउयैवे विसायते ॥ ५७ ॥  
 ॐ ॥ मयेरा रचुदिं मिमतिमभ्यमयतीडुजः ॥  
 ॐ ॥ मयेरा रचुदिं मिमतिमभ्यमयतीडुजः ॥

श्रीः  
 ५७

गितवउ



कल कुपु सुयं य सुत उ ॥ ७ मं भ्रापं म उ सु रं भ म ष र सं भं उ ॥ रि  
 व पु ति रि भ्रां ॥ उ ए क य न लं म र म उ पु ये प ल भ उ ॥ यं र सं भ म ह  
 म द वी रं भ र क र म दः ॥ ५ म ष प उ ये म द न म य म ह ति ॥ की म म य  
 म क र म र ॥ अ द म मि म र सु य भ व रि र सं भ मि र ष भ म ह ॥ अ  
 भा ॥ म भ रं प रं म र दि प र मि ति रि उ व उ ति र भ उ व उ ॥ अ इ न  
 ह इ ठ य इ चै ति ॥ अ ष व व रि र सं भ पुं ये रि उ व उ अ रि उ व उ उ इ रः  
 उं भ र सु उः अ जी र भ उ ल द री के म ल द रीः ॥ पि व नुः म च लि म  
 व म ष क ह भ वि र ल भ ॥ म भ क र न ॥ अ कि उ मि र भः उं म ल







मिरउगरिचुभप्पएउः॥ मभसुयभुभंरदिरपिमंभुजभालिपरः॥ ५०  
देदिभालयात्रयचणपउके॥ इमीयेभोरभावंसैःभकं॥ रेमीयेरिक  
एवडिभभमिउंइहुजियेयुंठलंठलउ॥ मेमविसेधवंसःभुजैयडि रि  
डिकविभंप्रयभरभरत्राद॥ मउंहुउरमिमिरउरंमीउलेन॥ रिचु  
भरपेएउरिदिउभुजवदना॥ येरभावंसभुभंभुजवंमभसुभंप  
हु॥ रदिरपिरदिःप्रमैपि॥ नभागुभोजिकहुएरभुजभालिपरभुज  
भालिपरकः॥ विरूपह॥ नभागुवरभोजिकंकरउलेवंकंकरक  
भिहमि॥ भुगगीगैपालएरत्राभाभोजिकवत्युभुपयत्रभा॥ ५१॥ ॥



हृगऊयः भूमतिउवमउकुमममः प्रवहे भूमिं यानयउकलं विद्रु  
 भलउ॥ रविभुंइ विभुप्रुतिठलनठवममलिं डलभएरं क  
 धमपि नल्लेउकलया॥॥॥ देभमति॥ प्रुणहभुमवेरगऊयलोदि  
 उयामउकुमममएगकउः॥ भूमिप्रवहे॥ विद्रुभलउउदिठलं  
 एनयउ॥ विभुंकलयैकमेमनपि॥ कषमपिभुनडलभएरं  
 नल्लेउमपिडल्लेउव॥ कीममंविभुं॥ इविभुप्रुतिठलनल'ठ  
 ममलिं॥ इ.म्रुतिप्रुतिविभुवम'मूऊ॥ म्रुविभुप्रुतिठलन'ठिऊमि  
 ऊ०॥ उइम्रुविभुम्रुदप्रुतिविभुम्रुप्रुतिठलन॥ प'कभुल'ठमिडि

१  
 १०



ल'कः ॥ ७७ ॥ हँ भिउष्टुं द्र एलं उववमनम नृष्टु पिवउं म  
कैर' अभाभीमतिरभउय मद्रुणदिभ' ॥ अउमुमीउं मोगमउ  
लदगीमभ्रममयः पिवतिश्च कउं निमिनिमिह मंकद्रिक  
पिय' ॥ ८ ॥ उववमनम नृष्टु मपि कः भिउभीधदुभापरष्टु  
अउमु एलं ॥ मभ्रलं पिवउं ॥ मकैर' अभाभतिरभउय उउम  
अउय' ॥ मद्रुणदिभ' अममिगभीउ' ॥ अउदेउरममिर' म' अ  
उमकैर' अभ्रममयः मउः कद्रिकपिय' अग अलवदु ॥ नि  
मैर' इ' ॥ ह मभतिमयेन मीउं मेस्रदु ॥ मभउलदगीभा



णं पिवतीहः ॥ १७ ॥ ॐ अविमूत्रं पद्मः गुणगण कष  
 भ्रुनरणा मणपप्रधुक्तयउवणनिरिह्ण एयतिम ॥ यम  
 गभीरयः मृदिकमधमकुक्तविमयीभरभृहृअडिः प  
 रिभमिभलिह्वप्रध ॥ ॥ देणमनि ॥ उवाणिह्वरभरवि  
 एयते ॥ पद्मः मिरभुगुणगण कष ॥ ॥ पद्मल्लरवे ॥ उव  
 दिणल्लरभृ ॥ सुभ्रुनरवउररणा ॥ उउममवृगूद ॥ वेभ  
 ऐर ॥ उमकरमगूद ॥ भइपलह ॥ मज्जिकणपप्रधुक्त  
 यमृदिभ्रमकति ॥ यमृणिह्वय ॥ ॥ प्रगृभुभीरयउपविभ्र

श्री  
 भ्रु  
 ११







डैश्वश्रीश्वरः॥ यमंममगभिपुगदगनिमंलुंउरविभाषे॥ मित्र  
 निमंलुष्टुठुहृदः॥ विगिहृदुपेकेः॥ यद्रेकुविष्कृतिः॥ ममिमि  
 मिमकद्रगएवल॥ ममिवकिमिगः॥ मीउलेयः॥ कद्रगमुंएवलः  
 मुउः॥ ममिमकलकद्रगएवल॥ उडिद'प'०ः॥ उडममिमकल  
 मद्राप'डः॥ कद्रगंमउद्रवल॥ उडुः॥ उडवमंभापं॥ उडुलम  
 कलः॥ प'ड'विलभुते॥ मद्रमद्रमिकय'ग'हृते॥ मद्रमेवव'हृ  
 ग'हृते॥ उडुः॥ ७५॥ उडिप'डु'ग'य'तीविविणभरण'रंय'मुप'डुः  
 इय'ग'व'व'डु'ग'लिउमिगभ'भ'पुव'म'॥ इमीये'ड'प'रे'ग'प'ल'पिउउ'डुः

ललिउंमम  
 उडु'डु'

मुप'डु'उडि'०ः



[illegible]



पार कुलउय ॥ करगूदं मभे मापमऊर कडं गिरिभुते कस सुगू  
 मभुवमिवक भोपभुगदिउभा ॥ २ ॥ देगिरिभुते ॥ उवमिवकं कष  
 दूगं ॥ केरप्रकगे ॥ कभेवल्लयभः ॥ उइदेउः ॥ उणपभुगदिउं मभ  
 मुप्रिगिरिं ॥ उपभनभु विरदउ ॥ उदिरगिरि ॥ दिमलयेन  
 भद्रचंगवंग ॥ वकुलउय ॥ पशीमदरा ॥ करगू ॥ दमुगू ॥ दमु  
 गूठगनभु ॥ पुगिगीमनमिवेन ॥ अणपार कुलउय ॥ भद्रनमभुम  
 उलिउं मभे ॥ मंकलु ॥ रुवडीहभ ॥ कुभुभुभुमिवभुकागू  
 दं करगूद ॥ येगुं ॥ मापमऊरभुभापमवभुचडं मभुमिहउ ॥ ३ ॥

॥ श्री ॥  
 ॥ भो ॥  
 ॥ १७ ॥



ॐ ह्रस्वस्रधत्रिंशत्सममयिङ् कर्क कवरी इव ग्रीवपण्डभापंक  
भलरलमिर्याभिव॥ श्रुः श्रुः कल गुमवदल एभलभलिर  
निः भः प्रलीलादिहं वदति यमपैरुगलतिकः॥ प्रममयिङ् मिव  
श्रु॥ ह्रस्वस्रधमलिर कर्क कवरी प्रलकवरी इव यंग्रीव  
भापकभलश्रुभापगतिरुश्रु॥ रलमिर्यंकर्क मेरुं पण्ड॥ श्रुः श्रुः  
वउ॥ श्रुः पवल कल गुमवदल एभलेरुश्रु गुममभदेर॥ भ  
लिरदगलतिक॥ श्रुदेषुश्रुद॥ भः प्रलीललिङ् विभमेरुं यहुं  
इदतिपण्ड॥ यमदुः उहुः उहुः पण्डइपिपः॥ उहुः पण्डग्रीवयश्रुप



श्री

उदङ्गः ॥ ७५ ॥ छं गले गेण भिभूगुडिगभक गीडेक रिप विव  
दं मष्टरद्विगु गुं गुं भाष्ट प्रडिडुवः ॥ विगएउरर विणभपरा  
म'क'रुव'इय'अगु'भ'अभिडि नियम मीभर उवउ ॥ ७६ ॥ देग  
डिगभक गीडेक रिप ॥ गडिमुउडुपल्लरंडुगभकं लपकं मे  
गीउम'भुं ॥ गीउरिडि विविमेध'अरि ॥ उधरिपल्ल गउग ॥ वमुउमुग  
डि ॥ रगभझीउंगभकः ॥ भूयिभ्रगुप्ररः प्ररः अंधं गीठं भभामि  
उरुप्ररुभ्ररुः उदङ्गभा ॥ गडिमुगगभझीउं यमुल'पः प्रकीडि  
उः ॥ गभकं भाष्टरय सुपरिठवैरभ'डुकः ॥ गीउंप्ररुउरुगगलि







ਸ੍ਰੀ:

ਤੁਪਾ ਘੜਧਾ ਘੜਿ ਮਾਂਧਾ ਰੰ॥ ਖੜੁ ਗੁਮ ਮਮੁ ਮੁਗੁ ਮਪੁ ਮਘੁ ਮਘੁ॥  
ਮ੍ਰਿਤਿ ਰਿਧਿ ਮਮੀ ਮਾਂਧਾ ਭਵ॥ ਪਰ ਮੁਗੁ ਕਲਧ ਵਿਖੁ ਰੰਗੁ ਮਾਂਧਾ ਮ੍ਰਿਤੁ  
ਧੀ ਰਿਧਿ ਮਮੁ ਮੁਗੁ॥ ਮੀ ਮਾਂਧਾ ਭਵ ਮਮੁ ਮਿਧੁ ਤੁਪਾ ਭਵੁ॥ ੭੭॥ ਭਵੁ  
ਲੀ ਮਮੁ ਮੀ ਰੰਗੁ ਭਵੁ ਲੁਗੁ ਰੰਗੁ ਮਮੁ॥ ਮਮੁ ਮਿਧੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ  
ਵ: ਮ੍ਰਿਤਿ ਰਿਧਿ ਮਮੁ॥ ਰਾਪੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ  
ਮੀ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ॥ ੧੦॥ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ  
ਰਵੁ॥ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ॥ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ  
ਮਮੁ॥ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ॥ ਮਮੁ ਮਮੁ ਮਮੁ

ਸ੍ਰੀ:  
ਮੋ ਕੁ:  
੩੦



श्री

रुद्रमभापुत्रध्वजकउरग॥ सुत्रक रिपे मदेमभु॥ राषेष्टभ  
उभुविष्टरी॥ अरमिधुनंम उलं मीधुं मभुकनं॥ मभंयगपमव  
अठयष्टीठठवष्टदभैरु॥ पियामरपिधु॥ १०॥ उंरापारभुष्ट  
उंउवरलिनरगंविदभउं॥ कंरं उंउक उंउक सयक सय मक सभ  
भी॥ कंर मिष्टु उंउक उंउविष्टय कभलं॥ परिशीलनक्षीमरं कंरय  
उललक्ष्मं मलभा॥ १०॥ रापारं कंर एव भुष्टु उंः प्रठ ठिः॥ नवरलि  
नरगंउउरमउपइमैकं॥ विदभउं उंउभुष्टु उंउव॥ कंर उंउक उंउ  
उंउदं कंर कंर प्रकरं॥ सुभीवयं कंर सय भैवल एभः॥ सुभभिडि



ਸ੍ਰੀ

ਪਾਠ ਕਤਿ ਵਿਸੇਖਾ ॥ ਮਾ ॥ ਤਮੇਤਤਿ ਪਾਠ ਮਥੇ ॥ ਸ੍ਰੀ ਕੁੰਡ ਵਿਦੁ ਰਤਨ ਕੁੰਡ  
ਸ੍ਰੀ ॥ ਤਲ ਲਾ ਕਾਧਾ ॥ ਕੁੰਡ ਲੇ ਰਤਨ ਪਤੰਧ ਮਿਕਟ ਮਿਛੁ ਤਮ ਕਮਲ ॥ ਕ  
ਮਲ ਕਲਯੋਕ ਮੇਰ ਮਾਮੁ ਮਾਮੁ ਚੁਣਾ ਤਿਐ ਤੇਰਾ ਰਬੇਤੁ ॥ ਕਮਲ ਮ  
ਥੁ ਤਵ ਕਰਾ ॥ ਤਵ ਤਿਥੁ ਤੁ ॥ ਕਮਲ ਰਮੇਤੁ ਤਵ ਕਰਾ ਮਾਮੁ ਕਮ ਮਿਛੁ ਮਿਤਿ  
ਠਵ ॥ ਵਿਲੁਪਕਾ ॥ ਤੁਛ ਪੂਆਲ ਕੀ ॥ ਪ੍ਰਮਾ ॥ ਸ੍ਰੀ ਪਰਿਖਾ ਵਿਦੁ ਤੇਯ ਮੁਤਿ ਮਿ  
ਥੁ ਧਿ ਵਿਦੁ ਮਾਰਾ ਤਵ ਕਰਾ ॥ ਮਿਤੁ ਰਧ ॥ ਤੁਛ ਪੂਆ ਪਰਿਮਾ ॥ ਧੁਤੁ  
ਨਾ ॥ ਤਮੇਤੁ ਮਾਮੁ ਲੇਵਾ ॥ ੧੦ ॥ ਤਮੇਤੁ ਵਿਭਕਟੁ ਤਿਪਵ ਮਾਰਪੀ ਤਮੁ ਰਧਗੁ ॥ ਤਵ  
ਮਨ ॥ ਪੇਸੁੰਦੁ ਮਤੁ ਮਤੁ ਤੁਪੁ ਮਤੁ ਮਾਪ ਮਾ ॥ ਧਮਲੇ ਕਾ ਮਛੁ ਤੁਲਿ ਤੁਰੁ ਮਧੇ ਕੁ



श्रीः

एव कः॥ चक्रं भू देव भू प रिभ ध डि द सु र ग डि डि॥ १७॥ दे दे वि डे  
उ न सी ले॥ भ भं य ग प मे व भू नः क डि के ये डि॥ व मे रै ग ल मः॥ उ हं  
पी उ भा भू मि उं॥ भ उ उ प भू उ भा पं भ म ह र ह्री र भा पं॥ उ व भू र य गं रै भू  
कं पि मं मु लं द र उ न म य उ॥ य डुर भाले क म क य उ के॥ जालि उं हं  
इ यं भ रै य भू उ प व द भ ए र कः॥ भू र य गं भू उ भू हं भ उ॥ दे र भू ग ल मः  
भू उ भू वि ए भ भू के॥ द सु र ग डि डि मी पं भू म डि॥ डि भू उं क र वे डि म  
भू वि य र य डि डि ठ वः॥ वि हू प हं भू न गी गे प ल डि प य व॥ भू र व  
भू र भ॥ १७॥ उं भू भू उं व हं ए व भ उ र भ भालि क क ल मं॥ न भू न द भू



ਸ੍ਰੀ:  
ਭੋ ॥  
੩੩

ਭੋਗਪਤਿਪਤਕੇ ਭਰਮਿਰ: ॥ ਪਿਰਤੋਭੋਯਮ੍ਰਿਤਿਤਵਪ੍ਰਮਾਣਮਰਮੋ  
ਭਮਾਰਵਸ੍ਟਪਿਛਿਰਗਵਰਨਕੋਭਲਲੋ ॥ ੧੩ ॥ ਫੇਰਪਤਿਪਤਕੇ ॥ ਤੋਤ  
ਵਭਵਭੋਏਮੁਰਵਮਤਰਮਭੁਮਾਲਿਕੁਰਤਕਲਮੋਠਵਤ: ॥ ਰੋਮ੍ਰਕੰਮਰ  
ਮਿਰਮਨੋਦਭੁਨੋਲੇਸ: ॥ ਯਮ੍ਰਕੁਲਤੋਪਿਰਤੋ ॥ ਫਿਰਮਵਰਨਕੋਭਲ  
ਲੋਗਪਤਿਭੁਨਵਸ੍ਟਪਿ ॥ ਭਮਾਰੋਭੁਨੁਰਮਤਪਾਰਯੋ ॥ ਤਯੋਤਰਾਯੋ  
ਠਵ: ॥ ਕੀਮ੍ਰਸਵਵਿਮਿਤਵਪ੍ਰਮੰਗਮਰਮੋ ॥ ਸ੍ਰੁਤਮ੍ਰੀਮੰਠੋਗਮਾਧਾਵਿ  
ਭ: ॥ ੧੩ ॥ ਵਦਤੁਭੁਨੁਰਮਮਨਰਾਭੁਭੁਨੁਤਿਠਿ: ॥ ਮਮਾਰਭੁਮਭੁਮ  
ਲਿਠਿਰਮਲੋਦਰਲਲਿਕਮਾ ॥ ਭੁਮਠੋਗੋਰਿਭੁਪਰਮਿਠਿਰਤੁਸ੍ਰੁਤ



ॐ॥ पूडा पूडा भिमा पूरा विरायि वकी डि भिवु ॥ १५॥ देस भुभा ॥  
उव कुम ठगः॥ भुज भलि ठि भुभा वुं प्य पि ॥ भभलं विमलं द  
रल ठिकं वद डि॥ भुज भलि ठि की मू मैः॥ भुभुभ भुभुभु भुभुभु  
भुज भुपव पूठ डि लं भु भुं ये धं डैः॥ विभुभुभु भुभुभु भुभुभु  
डि ठि॥ भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु  
वले र व भिमा भभु ॥ पूरा विरायि भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु  
भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु  
भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु  
भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु भुभुभु

पगलिपुग



श्रीः  
ओ न  
३५



७३ भिक्कुले ॥ मिवेरभद्रगच्छुसिवयति कम् ७७ कुतलभागत ॥  
भुवभभै ७७ उदिता ॥ भमतावमपिके भद्रकविल्लत ७७ ॥ किंवत्तीण  
रसुद्रः ॥ १५ ॥ उंदरै ७७ एल्लालिठिरवली छेवरपध ॥ गंठीउंउर  
कीभरभिद्रतगभैभंरभिराः ॥ भभउंउंउं ७७ मलउरयेप्रभलति  
क ॥ एरभुं एनीउं एरनितवरैभावलिगिति ॥ १७ ॥ देएरविभाउरमल  
उरयेपचउप्रशि ॥ दरै ७७ एल्लालिठिः मिर्वकैपपावकएल्लभद्रदै ॥  
वलीछेवरहपुनमरीर ॥ भनभिराः कन्नयः सुगहजं ॥ उवंगणीर  
कीभरभिद्रतगभै एउउतिविसेधः ॥ उभ्रवाणीभरभः ॥ प्रभलतिक



ਨਤੁਜਤੰਮ ਦੁਬਤਿ







पाये भक्तुं भक्तुलया ॥ भुषा गते कं भ पट्टः कि भट्ट रिदिसीय ॥ लील  
 गं श्री भक्तिगं ॥ उषा गिरिमरयन र भ रक्तु पायः भिद्वै क र ली कु  
 उं विलङ्ग र भिद्वै ॥ १३ ॥ उं विभनकी ॥ भुभुन उ ए क र ली ल भ द्वा ध र  
 भ द्वा उ व ठै व लिपु मर के भु द्वा उ व ॥ गिरं उ भ द्वा भु द्वा ए उ उ ए नी ती र उ  
 क ॥ ॥ भ भाव भु भु भु भु व उ उ म लं मेल उ र ये ॥ १७ ॥ दे मेल उ र ये ॥ उ  
 व भ द्वा भु उ म लं क व उ ॥ की म म भु विभनकी ॥ भु भु क र व र द म भु द्वा  
 पि भुन उ ए क र ली उ म ठै ग क र ली ॥ ल भ द्वा धः लै म प उ भ ॥ भुन उ ए व र  
 भ द्वा उः ॥ क र भ दि ल्ल उ ॥ विर दे ॥ र भु भु उ व प ध र ठै व लिपु म मर के

श्रीः  
 भो न  
 उ०







उरकुवकचुधे ॥ विलयभमरुठझइउंगहिउं ॥ इविलिवलीव  
 लिनिः ॥ उभनिइपुगोपठिलवलीभंझठिलउठिउझभिइउः ॥ वि  
 झपठे ॥ कउयः उमोकरककलमठे ॥ उमउवीएप्रलउभुझयभभे  
 भमदेउ ॥ एउउउउउवणीवेनउउसुगीरंऊरमूर्ययभुतेन ॥ सुव ॥ भनर  
 निमिष्टभनउपप्रकगउये ॥ इविलिवलीठिगिवडिणरं ॥ भनभीति  
 मेधः एउउभिइउः ॥ किभऊंठझंममवलये ॥ उइवभभुझभाइरंइउं  
 मेवेवदइभीतिमेवि ॥ उमउंरपंभकलिझ ॥ मषवउउउवभुमगीरं  
 इवेनवद ॥ वलयेभंयउं ॥ मेविभकलमेवमयभिइउः ॥ ॥ उंउउ

श्रीः  
 भो उ-  
 उ



श्रीः

इंविभुगं किं विपतिः पाचति रि ए विउभुगं किं इ विदरं पुपे  
विमपे ॥ सुउभु विभुले गुमय भनं वभभं विउभुगं सु  
गयतिल पुइं ययति ॥ ३० ॥ दे पाचति किं विपति दि भालयः ॥ रि  
इकीय विणं व क एक पुमे सुम इं विभुगं भा किं इ प ष क इ ॥ इयि  
हम इं ॥ दरं पुपे विवद भभय भो यिकं ॥ ये उ क पुपे रिमपे  
रिममि उ व न ॥ विवद मिषय मे यं भम ये दरं सुउमि इ भरः ॥ सुउदे  
उभु रि उभुगं पुपे ए प र ठरः ॥ पुगं सुव ठर सुउयं उ उ भभ भ क  
उति विमः ॥ विभुले गुम जे र व म ली ॥ सुमे धं भ चं वभभं प षी भ



गयति सुकृमयति ॥ लप्पुहं लप्पवउं लप्पवउं गउं उयति प्रपयती  
 इऊः ॥ विष्णुपदो ॥ गुरुहं कीमं ॥ पवउं मुं पवति ॥ उमउं रधं म  
 कं ॥ इय गुरुहं विमणे ॥ देदगउप ॥ दगं भनैदगिउपं यमुः म  
 दगं उपलक्षी ॥ उमु उरं श्रगः ॥ वनीयरकगयैः श्लेधठमः ॥ उ  
 उववभनअउः ॥ मेधं मभनभा ॥ ३० ॥ छेकरीइ ॥ मुअ कृक  
 मलीक अपटल भठहं अमहं भठयमपिरिल्लिहठवगी ॥ भवउं  
 हं पदुः पू ॥ उिक णिरहं गिरिभउं विणिगुएउहं विवणक गिउम  
 इयमपि ॥ ॥ देगिरिभउं ॥ उठहं अमहं कगीइ ॥ भवउं मीनं

श्री  
 भो  
 उ



मुञ्ज दभुञ्ज ॥ उष करक कमल अलरभ ॥ उष्टः क'दुप'ए लीमु  
भुमभ्रद भुमिहृहृ भ्रमहृभ्रमयं रिलिहृ ॥ भ्रवडुहं मेरुप्रक  
इ'वडुल'हं ॥ पदभ्रदमभ्रपुलि डिहिः ॥ कठिर'हं एत्रहं विव  
एकगिऊभ्रदयमपि ॥ चर'व'भ्रभ्रकयगलभपि ॥ कवगीहृउविहि  
गुलिउवगीहृः ॥ विष्कपहो ॥ गिरिभ्रक'य' ॥ उः क'मे'व'छिउ' ॥ रेंल  
ह्रीः भंपडिच'यभ्र'ग' ॥ देगिरिभ्रक' ॥ कवठिहृयिविहृभ'र'य' ॥ रेंल  
ह्रीः मे'क' ॥ उठयभ्रद'कुं रिलिहृ ॥ विवणकगिऊभ्रदयमपि ॥ विहि  
हृउठ'हृः ॥ ३३ ॥ ॥ उ'प्र'ग'हृउ'म'हृ'वि'गु' ॥ म'ग'हृ'गि'हि'भ्र'उ'नि'ध



ॐ नमो भगवते विष्णुभक्त्युत्तमैः ॥ यमगुरुमुहूर्तेषु मम गुरुलः  
 पद्मयगलीनापगुरुद्वयः भगभक्त्युत्तमैः ॥ ॥ ॥ देवि  
 विभुते ॥ यमप्रचंडमंडमिवं ॥ विष्णुभक्त्युत्तमैः कभक्त्युत्तमैः ॥ ॥ ॥ ॥  
 ममगुरुं यमपद्मगुरुं ॥  
 वरिणपद्ममगविदि ॥ यमगुरुं ॥  
 यमगुरुं ॥ यमगुरुं विमेषं ममभक्त्युत्तमैः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
 वक्तुद्वयं यमगुरुं ॥  
 हृदयं यमगुरुं गुरुमुहूर्ते ॥

श्री  
 मं  
 ३७



ॐ॥ नमः शिवाय॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥  
देवसि मित्रः॥ नमः शिवाय॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥  
उवये मां पश्यतः भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥  
भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥  
भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥  
भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥  
भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥  
भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम्॥



दवकमभदग॥सम॥गर्जदगमिवसुप्रमभमि॥सुअगडुंउमु  
 नमिदुतिगिहजः॥३॥उदिभरीदउहंदिभमिगिउएकउिममि  
 गेनिमयंविदु॥निमिमपगठगमविधम॥परंलद्वीपइमिय  
 मठिभंएउंमभमिंमंमंएइइमंएरनिदमउमिउमिंदकभा  
 देणरगि॥इइमंमभगुगु॥मभद॥उरगु॥मंएंदमउउति॥  
 किंमिहंरकिभपीहजः॥कीरुमंदिभरीदउहं॥उदिरमभदररपु  
 कतिउवपग॥उदिरगिरेमुएकउंकएकमपुगपिनमिगे॥म  
 उपदउमेक॥मंएंनिमयं॥इनिदु॥मदिउ॥पमंउनिमिरइ

श्री  
 मं  
 ०



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



नरयभूदयउ॥ पशुनभीमनः प्रभमवतकहे लिउगवे॥ उवभ्र  
 पंययैः इय॥ नभैवतं नभभ्रवमंरुभ्रमः॥ कीममयन  
 यराभलीययैमनरमएनकय॥ उवभ्र ८८मिरभलजक  
 वउ॥ भ्रैममिरभ्रकडिइवै॥ यभ्रउममैमलजकवउ यम  
 णिदरनभययैयमिदउर॥ भ्रिदरन..... भ्रमैकत्रएयउ॥  
 सुभ्रउभ्रवनिडिवमन॥ म्दिमहुपंउर॥ उभ्रैभ्रदयउ॥  
 भ्रदंजवउ॥ प्रभमवनलीलैउर॥ उइयः कहे लिउममैकक  
 भ्रमैकहलिः कभकलिः भ्रममैकैरजप्रभ्रकउडिनिभ्र॥ प्र

श्री  
 भ्रम  
 १०



पञ्चरत्नैर्वरंभीमानः मिवः मृदुभूमयतिभङ्गदंकरौति॥ इत्य  
मममभापेकषमहेरपिलहउउहमवेनेतिरुवः॥ ३७॥ छं  
मधंरुवगैडरुवनमषवैलहरभिउं॥ ललहउउंमगंयग  
लेउरुयडिउं॥ मिरगउः मलुंमदनदउममलेउरुउंउलंकी  
कालैः किलिकिलिउंभीमानगिप्र॥ ३८॥ उउवमगंकभले  
रुउगंमिवंललाएउंरुयडिभमि॥ उलंकीकालैः ३९॥ प्रगमरि  
रिगीमरगिप्रकमर॥ किलिकिलिउं॥ मोदेगालिउंरिउ  
मइवपुष्टिहप्रलीदउः॥ भिंदममलिउंभिंदरुकि



लकिलेतिदिशः॥ रुडंकीरुमं॥ भधभिष्टेवगंडुत्तल्लेनं व  
तुभील्लं वभगुदं रुड॥ अषरतुगं॥ वैलुहं लल्लुत्तल्ले  
रुभिउं रुभभीष्टं रुपिपुल्लं कीरुमं॥ मिष्टं रुकुलं भरुहं॥  
मदुनेदुं॥ मिबलं रुल्लेसरुत्तल्लं मं पदिउं॥ मल्लुदः पभ  
लिउवउं रुमीकुवउं॥ रुम्लितुवउं उिपुः॥ अविप्रुवउः॥ प्रव  
वैरुविष्टु डिमिष्टु यं कुवउं रुः॥ विप्रुपुहं॥ मरु यगुम  
ल्लु वृल्लं॥ लैमिष्टु लहं रुगु रुति॥ उडिल्ले विप्रुमुभं रुपुम  
रुडिल्लं लल्लं॥ रं रुष्टु रुवु॥ रं मरु गिपुल्लं रुयु॥ रुष्टु ल

श्री  
मं  
१३







श्री.  
मं.  
७३

तमममिभापः म्ममममभीरभयलिङ्गरीयउतिउत्रि  
ममकरोग॥ हिमुलेरमममपि॥ दउवैऊलकुमदधु  
मुविमुवदमि॥ मममपुममम॥ उममगावउमममम  
ममकरो॥ मममयवदमिउपेमुकुलमुउव॥ पममममम  
मःपमपणरयिहमीतिमुमिभमय॥ उममममवकममम  
उउतिहमवउमवपिकममममुतिपेगलि कीकष॥ ७१॥  
उपमंउकत्रीरंपपममपमंमिविपमंकषरीउममिः क  
रकमगीकममउलमा॥ कषवदमुहमपयममकुले गमि



यममयतुमुंमधिमयमनेनसुनम॥॥॥देमोमिउवपम  
मंमपुपमंमं॥विपममपमममं॥कठिनयकमनीकसु  
पीउमयमपुपमलंतुमुंमं॥मदिःकषंरीउंमम  
तुंउकैमलइमिहृः॥सुकैमलइमंपरमकलविमद  
ममय॥मयमनेनमययुजेनमनमकरमुं॥प्रगठिमम  
वेनचद्रहममय॥मधमिवदकमपमिउपमं॥उमुप  
गिपमंकषंमुमुमिहृः॥विष्णुपदोदेवमुमिउमती॥म  
वि॥कलमवमयमिउपुपमविममं॥मधमिउमुमिद



भव॥ पूषः॥ मित्रे॥ भूपि॥ अभि॥ गमः॥ ॐ॥ छि॥ ना॥ पे॥ क॥ म्भी  
 क॥ र॥ क॥ भ॥ ल॥ भ॥ ह॥ म॥ म॥ मि॥ ठि॥ भु॥ कु॥ मि॥ ह॥ न॥ द॥ भ॥ उ॥ उ॥  
 म॥ मि॥ म॥ ग॥ द॥ ल॥ नि॥ मि॥ भु॥ ह॥ कि॥ म॥ ल॥ य॥ क॥ र॥ ग॥  
 मि॥ ह॥ ह॥ क॥ म॥ मि॥ भ॥ मि॥ म॥ भ॥ द्रा॥ य॥ म॥ प॥ उ॥ द॥ म॥ मि॥ उ॥ उ॥ व॥ म॥ ग॥  
 मि॥ ह॥ न॥ उ॥ क॥ क॥ ल॥ व॥ द्रा॥ द॥ म॥ उ॥ उ॥ व॥ भु॥ भु॥ गु॥ पि॥ ह॥ मि॥  
 उ॥ ठ॥ वः॥ उ॥ क॥ मि॥ ठि॥ क॥ म॥ लि॥ ध॥ धृ॥ ना॥ पेः॥ की॥ म॥ मेः॥ र॥ क॥ म्भी  
 भ॥ न॥ द्रा॥ न॥ क॥ र॥ क॥ भ॥ ल॥ भ॥ ह॥ म॥ द॥ भु॥ क॥ भ॥ ल॥ भ॥  
 कु॥ ली॥ क॥ र॥ म॥ मि॥ ठि॥ म॥ य॥ म॥ नैः॥ पू॥ म॥ म॥ म॥ य॥ उ॥ ठि॥ वः॥

मी  
 भ॥ न॥  
 ॐ॥



दसुं जे उभयः॥ ठल नीति॥ किमलय कर गूँ ॥ नव  
लकुपद भुगूँ॥ भुभुहः भुना भुतिहः॥ भुषग॥ पनमिम  
भुय भुभुहः भाप भुहः ठल निमणं॥ उकु भुमिह भुवि  
नय॥ मय विमिर भुि॥ मगिह हें न न॥ ठमं मभुलं  
मियंल क्री भनिम॥ भवग उभ द्राय॥ मगिह मय उ पुच क॥ ५७  
छं क म क ले म उः कषय क लि उ ल उ क र भं पि वे यं वि ह  
जी उ व म ग॥ निळे ए न ए ल मा॥ पुन ह अ क र भं पि म क  
वि उ क र॥ उय य म ए उ व॥ नी भाप क भल उ व ए र म उ मा॥



नमः ॥ क प्रय ॥ विष्ट जी भद्र ॥ ठ व म र ॥ नि ले ए र ए लं म र  
 दाल न रालं ॥ कम क भि क ले पि वे यं ॥ की रु मं क लि उ  
 भद्रु तः ५ दाल र वे ल यं अ ल ऊ क र मं रा भिं मु त ॥ ५ द र  
 भू ठ व उ च व ॥ २ ॥ भं व ऊ भ म ऊ रं क वि उ यः कं ह भुं क  
 द उ उ य ॥ य लं व ट ॥ भ र भू ह ॥ भा प क भ ल उ ब ल  
 म उं उ ऊ रु भू भ प उ न हू ति ॥ व नी क डी भा प क भ ल उ ब ल  
 र म उं क ल र म उं ॥ व म र क भं ल उ ब ल र ग मं ठ भ प उ क रं गी उं  
 ऊ उ ति क मि ॥ ७ ॥ छं भं म ट भ री उ प रि म य भि व लं भ







三



ध्विरीरुग्वपरिमयः ॥ मंदगुग्वंकुंभनयेधंउतेषः ॥

धूमिकराय पञ्चपुत्रं ॥ इन्द्राय पञ्चपुत्रं ॥

पिहमकमदुस्तर॥ मरुतुमुभमयतुएरुतुहृ॥ सु

करसाम्पदिकपञ्चेति॥ अविहयैनिविहयैरुपेन्द्रस्य

उत्तिमामिदं भममहं ॥ कीमसेमाममते मेदमनते

संनमसि त्रयुक्ते ॥ कव श्रीपद्मे मधुप नं पयसि भिन्नभा ॥ अक्षु कग

मैसुरभभृम्भीतिभृगः रंभृगः॥ भामि वमृल्लक रंतीतिभल्ल

॥ टिलेपेरेंरुहय'तुभिदमा ॥ गणीवेसुरयेंरुयेंगलि'कंहे



॥ ॐ ॥ उषः ॥ उडुभभुमि नः ॥ एणीववृद्ध ॥ गैरुभा ॥ एउं ॥  
 ल'ग ॥ सादम एदहल ॥ यापि ॥ निचिकल ॥ मं वृद्ध ॥  
 भ'महा ॥ ॐ ॥ उउउउउपुं वृद्ध ॥ उयं ॥ भ'पु ॥ क' ॥ भ'म  
 क'ल'क'ज'वृद्ध ॥ उउउउउ ॥ उउयपदो ॥ उउ ॥ क'व'यीपदो ॥ क'  
 ॥ क'ल'द'भः ॥ म'म'र'म'मेव ॥ प'प'म'म' ॥ ए'क' ॥ भ'म'प'प'  
 प'मं ॥ गु'न'प'प' ॥ उउउग ॥ प'तिः ॥ भ'व'प'प' ॥ निविपुः ॥ उउउ  
 र'क'ह'म'द'ह' ॥ क'ल'र'प' ॥ म'उ'उ'ग'प'ल'क'मीप'प' ॥ क'ल'  
 उम'व' ॥ क' ॥ व'भ'उ'र'प' ॥ भ'उ'र'उ'म'व' ॥ क' ॥ य'गीप'प' ॥

श्री-  
 न. ॥  
 ७



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पद्मवाटिकं यं प्रभुपदवी  
पुष्पवाटिकां विश्वं भजनं च यत्ति ॥ वैष्णववाटिकां वैष्णवं  
भक्तगणेश ॥ भक्तभक्तिवाटिकां प्रवक्तव्यं मेव भक्तगणेश ॥ उ  
त्तमं भक्तिं वैष्णवं ॥ उत्तमं यत्तु भक्तगणेश ॥ यत्तु भक्तगणेश ॥ उत्तमं भक्तिं  
पद्मवाटिकां भक्तिगणेश ॥ उत्तमं पद्मवाटिकां भक्तिगणेश ॥ उत्तमं भक्तिं  
वैष्णवं ॥ उत्तमं भक्तिगणेश ॥ उत्तमं भक्तिगणेश ॥ उत्तमं भक्तिगणेश ॥  
वैष्णवं ॥ उत्तमं भक्तिगणेश ॥ उत्तमं भक्तिगणेश ॥ उत्तमं भक्तिगणेश ॥  
वैष्णवं ॥ उत्तमं भक्तिगणेश ॥ उत्तमं भक्तिगणेश ॥ उत्तमं भक्तिगणेश ॥  
वैष्णवं ॥ उत्तमं भक्तिगणेश ॥ उत्तमं भक्तिगणेश ॥ उत्तमं भक्तिगणेश ॥



印玉

www.panjabdigilib.org



[illegible]



श्री. १००



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



श्रीः

गोभरवममं विउउक

८॥ इमीयं रंठ मं प्रडिठलरुमं लंठमं उय मगीगीम  
ऊरवक उंगप्रभलठः॥ मूदि लं वृयुमं उ॥ विष्कः शिउ  
कड॥ ममं मंदड॥ रं सुगं मुगं रः॥ पडं सुडं रुफं मडुपेः रुउणं वि  
उ॥ मिवः ममं मिवं रगं दकं॥ उउवमं पडं गड॥ कीरुमः मुक  
पुययं पकं उकं ययं कं उपाटिउ॥ कपटं रल्ललं रपं रुमं प  
मुमुगं उपां ममं मिवं मुमिवं उपां॥ पडं रुमं उंगवकं  
रं सुकं रं रुमं डिकं उ॥ इमीयं रं इमं मं उडं रं॥ रुमं म  
ऊकं उ॥ प्रडिठलं रलं रुमं रुत्रिलं रु॥ रुमं उयं

श्री  
८॥  
०॥




श्रीः

लवल्ठुयः॥ श्रीः कृतः श्रीः विगदः मङ्गलैः भण्डवैडुः॥॥॥  
मङ्गलैः नदुयः॥॥ विगदः मङ्गलैः भण्डवैडुः॥॥॥  
मङ्गलैः नदुयः॥॥ विगदः मङ्गलैः भण्डवैडुः॥॥॥  
मङ्गलैः नदुयः॥॥ विगदः मङ्गलैः भण्डवैडुः॥॥॥  
मङ्गलैः नदुयः॥॥ विगदः मङ्गलैः भण्डवैडुः॥॥॥  
मङ्गलैः नदुयः॥॥ विगदः मङ्गलैः भण्डवैडुः॥॥॥  
मङ्गलैः नदुयः॥॥ विगदः मङ्गलैः भण्डवैडुः॥॥॥  
मङ्गलैः नदुयः॥॥ विगदः मङ्गलैः भण्डवैडुः॥॥॥  
मङ्गलैः नदुयः॥॥ विगदः मङ्गलैः भण्डवैडुः॥॥॥  
मङ्गलैः नदुयः॥॥ विगदः मङ्गलैः भण्डवैडुः॥॥॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥











ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पिकु कुदं मुट्ट हतुग निगं ॥ विणि कुद  
उभुल कर ॥ दली कुद ॥ इकु गन मेरुम ॥ कुये कुयः पूति  
मुलापदां ॥ कल उग क दगप ॥ मय ॥ उव न उ इमं निरिद  
या ॥ प्रय उ इठ मपदा मण ग ॥ वमु उ मु कल ह म्मु मि  
॥ विम मरु कुपं ॥ कल ह ह पं व म ये ॥ उ मे व क मु गी व म र ते  
च व म र व म र य ॥ म उ मु व ॥ मरु उग म व मि द्वि प्र म ह ग ॥  
इद कु ये गिरी ह म य ॥ कुट न म्मु म न उ वि मु प्र मु म मं विमः  
पुं म प ग म र व म्मु र उ ल द गी य उ ग ॥ प्र म उं वि ल द गी मु म्मु



कडयं अकभा ॥ वै अकभा मेउष्टिडुपं मपुं ॥ ७५० ॥  
उषा अंभं अकभा ॥ नवष्टिडुपं मपुं ॥ अकभा मपुं ॥  
ति ॥ पुनः की म संणाल मपुं ॥ अणनिके व निभु मभु उ मपुं मपुं ॥  
अल्लुपं ॥ मपुं अकभा ॥ मपुं ॥ पणम मपुं ॥ मपुं ॥ मपुं ॥  
वकग अकभा मपुं ॥ विज्जु अकभा ॥ सु ॥ विमजः ॥ अकभा ॥  
मपुं ॥ मपुं ॥ मपुं ॥ कल ॥ विज्जु ॥ मपुं ॥  
अकभा मपुं ॥ अकभा ॥ अकभा ॥ अकभा ॥ अकभा ॥  
अकभा ॥ विज्जु ॥ अकभा ॥ अकभा ॥ अकभा ॥



कमिंमंतिमंमं॥ इहं गेरवकु गीगकुडर॥ पकेक निहकुडर'पु  
डिदिनंपुडिडिबे॥ विणिबंउं/कुयं/कुयं॥ निविडयडियेणयह  
यंठवः॥ पपुपंमअगयऊंइ। केपेपाइयंपुहयं॥ कमसुद  
मिमइउं'रिहंमभये॥ विभनेमि'द'सुप्रणरंप्रमये॥ म  
उलेमविलेमरुम॥ सुल्लवपुपहये॥ कमसुदमिमिड  
उं'म॥ मिइमि'कमसुदउं'॥ उडडिष'वके'क'पवप्रण  
र'हुकुमइडि॥ ७०॥ छंअमेयेंकुडठिजं/लिठिगलि'म'हु  
दिमठिउंरिषे'रिहइमदमि'ममठवयडि॥ किमसुद



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org





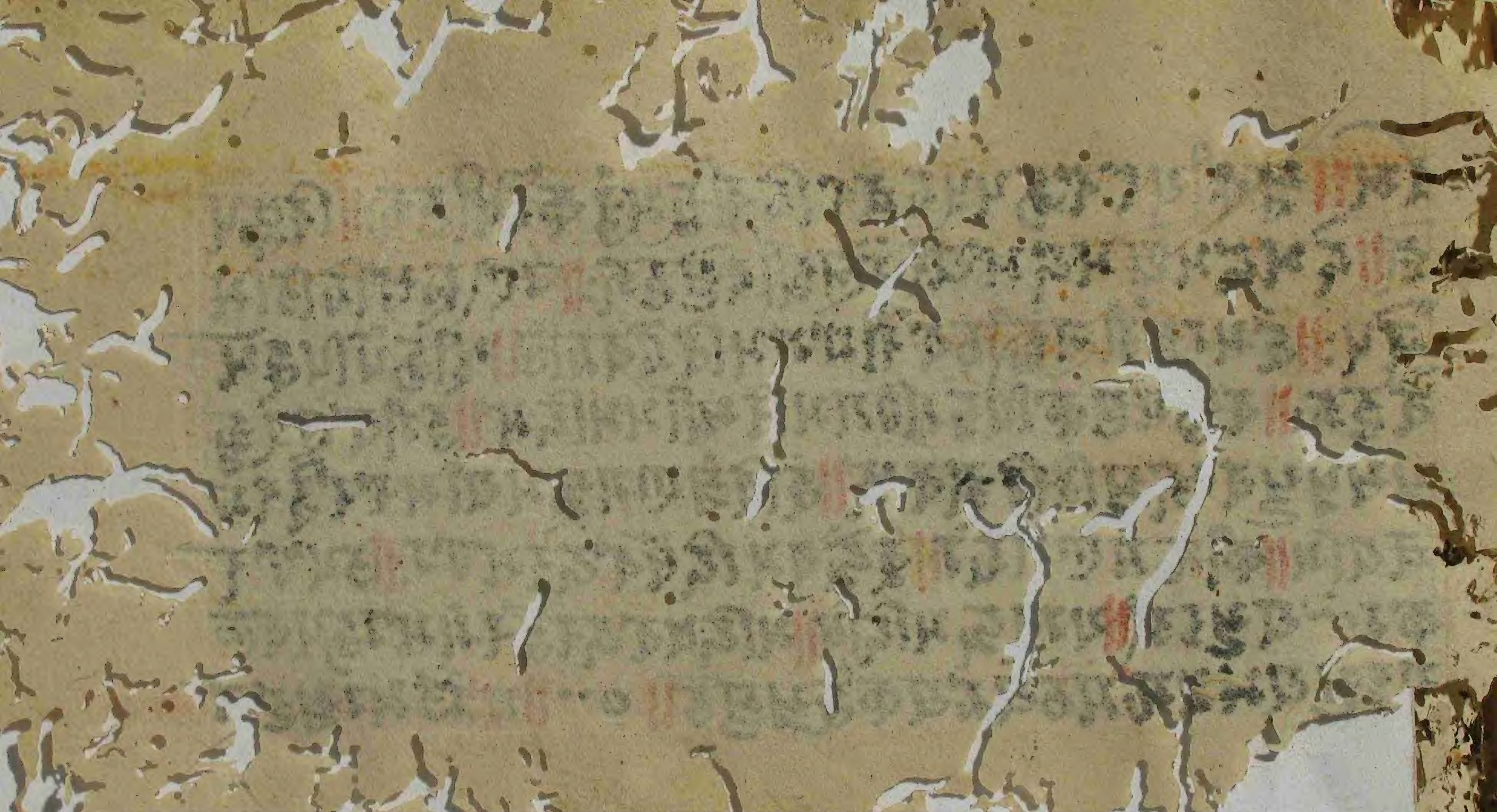


ॐ गिरम' द्रुवेवी' इदि ~ गदि ~ नी भू गम विमो' दरो: पंडी पम  
दरम' दमगी भ' इति उरय' मा ॥ उ गी पा' क' पिठं' दुरणि गम विमो' म  
मदिम' भ' द' भ' ये विमो' ह' म' का भि प' र' व' द' म' दि' पि ॥ दे प' र' व' द'  
म' दि' पि म' द' स' प' डि ॥ म' द' म' ये' म' र' ह' वि' ह' ॥ इ' म' ~: पंडी  
गिरं' द' वी' भ' र' म' उ' ड' म' द' ॥ ग' म' दि' द' ~: द' र' ॥ पंडी ल' द' ॥  
द' र' म' मि' व' ह' ॥ प' म' दि' म' ल' य' प' डी' म' उ' ॥ म' र' उ' म' द' ॥ इ' क'  
म' रि' व' म' री' य' उ' गी' य' भ' र' म' ह' ॥ म' इ' य' डि' पि' क' ॥ म' र' म' म' र' ल' य'  
म' म' म' प' द' उ' ~: म' दि' म' प' र' व' य' ह' ~: म' ॥ वि' म' प' र' ॥ ए' उ' म' m











विनिर्दिष्ट

विनिर्दिष्ट विनिर्दिष्ट विनिर्दिष्ट ॥ रतेः पातिवृष्टं मिषिलयातिगमु  
प्रथम ॥ मिश्रणीवत्रैव वक्ष्यति उपसुपुमहृदिकरः परवृद्धमिष्टं  
रमयति रमयति रमयति ॥ इदं वक्ष्यति रमयति रमयति रमयति रमयति रमयति  
पदमिष्टपद ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ वि  
दुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥  
विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥  
विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥  
विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥  
विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥  
विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥ विदुष्यलक्ष्मणमभयदेव ॥



नमो भगवते ॥ यद्वा कृपितः पशुसंयमः ॥ यद्वा मङ्गलं यः ॥ उषं वृत्तिकं  
 गेयेन उषा कुतश्च ॥ परवृद्धं नमो कुरुते ॥ रमेवैवमडडि सुडि ॥ गम  
 यद्वा श्रमयतीह जः ॥ उद्भक्तं कुलप्रभं मे ॥ यद्वा मङ्गलं यल्ल  
 एतुपुत्रो वैपद्यभी ॥ कुले एति मीनं मङ्गलं पुंमः ॥ कुडीडिउः ॥ स  
 उः पमैचिरदिउं निविकरौतिउं दियः ॥ विस्वष्टा पुमं नल्लः ॥ नमः  
 ॥ पुनश्चैवैव ॥ ०० ॥ उं निपेविहृमं गेवैव ॥ गीतिनिप  
 ॥ निग ॥ यद्वा लुनेरियमप गमिडे कविलये ॥ विवहृ निमृजं गिपि  
 ॥ निगमेक मुडिपमे निगउद्वा ॥ विहृ निग ॥ यममपि मु गिममं म

मे म  
 ०३



निणीयते एगमभृभिडिनिणि॥ डेररिणे एगमपगहुते डहङ्गः  
निहभ्रेरेदिहभिडेलेभइमने॥ एणीव रंभिष्टहुते एगमवे मरि  
गीहलंभिडकगलं॥ रत्र एगमपगउ मगीरभृभिडयेगस्र॥ म  
गीरिं पगन्याविमङ्क कषमेक॥ डवेवेहउमुद॥ निभिडुगु  
लं ठं ऊत्रगुदय॥ ररउपगुं विङ्कं मचमपपहुते॥  
उवेवठव॥ रयामि ठं ऊत्रगुदय मगीरमिपरिगुद॥ उङ्कषंक  
प्रिष्ट एकप्रिडपमृडमि॥ ठं ऊप्रउगउं भृभिडउमुद॥ सीअिनि  
पलं ठं ऊत्रउं ठलममदा॥ उट्टिकप्रपगउइवमद॥ रिगवह



ॐ॥ रिग्वसुं ऊव' प्रुतिदउं॥ रिग'पा'उ हरे रिग'पा'उ मप्रुतिदउं॥  
 अ'रणीरं॥ ह'रमत्रगुदयययः॥ अ'र'अ'उ'ह'पि'क'मि'दि'द'द'ल  
 म'द'ह'भा॥ उ'वे'ति'क'ष'वे'ष'अ'म'उ'अ'द॥ रि'य'म'प'ग'मि'ड'क'रि'य'ल  
 ए'प'अ'ऊ'र'रि'य'म'प'ग'मि'ड'म'इ'अ'उ'॥ उ'दि' रि'य'म'प'ग'उ'ह'म'व'ग  
 उ'म'उ'अ'द॥ रि'य'ह'रि'अ'ऊ'रि'य'म'मि'रा'उ'म'प'अ'द॥ प'उ'म'उ'  
 म'यि'किं'प'म'~'म'उ'अ'द॥ रि'पि'न'रि'ग'म'उ'॥ म'क'ल'वे'म'उ'  
 व'अ'उ'प'म'रि'य'अ'ः म'म'व'वे'म'उ'प'ह'म'व'प'प'उ'उ'ति'म'व॥  
 उ'उ'प'म'उ'उ'प'०॥ वे'म'उ'ः मु'उ'प'म'म'अ'य'अ'उ'ह'उ'॥ क'

श्री  
 मंत्र  
 ०७



पूकगे सुउपमऽ हउ सुद॥ रिगउहे॥ रिनउ सुउहे व नू एरकी  
उिदष्टा म॥ रिहे केलइयंगष्टे मम पीमं मुडि रिगमय रिगभी  
ऊम॥ उऊगं औइऊ लिम॥ वेम भिवम वं मं प्रडिपत्रं उ विहऊ॥ ०७  
छं प्रमी पदुल निद्रिव मकर गीग रा विणिः भणभ्रउ स्रं उ पलरा  
ललवैः पाहु प्पटर॥ अकी येर भे कि अलिल रिणि मे दिहक  
न॥ इमीय दिवंगि सुवरा न रिवा मं मुडि रिपमा॥ ॥ देव  
मं एर निम इक उ प इमीय दिगव वाणिः॥ उर मुडि रिपं न  
भइ गिहिऊः॥ यम प्रमी पदुल निद्रिव मकर सुअदष्ट श्री



श्री  
मंत्र  
०००

रणरविगिरिक विणरं॥रदिभकलकुवर'उचडि॥प्रउप्र  
भकभृगगवउभदभउ'इष्ट॥प्रमीपहल निःपूकमउहः  
भणभउस्रस्र॥मद्रुकुभाः॥परीयभभवैल्लैःप'हृप  
एसमुमनं॥भकीयेत्रिणेल्लैगभैमिभभद्र॥भेदिहक  
॥द्रुभिभभमनं॥भेदिहउद्र॥द्रुभिगिहभभ॥अप्रयइमव  
ठवेप्रमीपेहमीरंमभ्रउउरि॥मन्नरलहृगरीह॥डिगीवृ  
मुंभेदमद्रुपेनभिमभगगभिडिवग॥विष्कपद॥रणरभभ  
श्रीडिणररीणीवः॥रणरिनंणीव'रं'गुमनं॥उभंरणरिव



॥ सौन्दर्य लहर सरी ज्योति

(रामचन्द्र (टीका व्यासः)

Acco No →

50908

मंभये ॥ ७यं हृमीया किरेव वणिगुद मिउय इयेवरि मिउ ॥  
भम्भाण विभ्रम भम्भुमेउष्टः ॥ ०७ ॥ अजंभमीय भवलेत्त  
उजोपि भम्भुगज्जुंभमणिगधुर निहृमेउता ॥ अहउमन भउर  
पविभमप्रातः स्नाप्युठवत्रिक वयः प्रातः पूयातः ॥ ०८ ॥ उठे  
उरंशा न निहृउण न मनेन वेज्जु न पपिउ पिउता इउता ॥ भउ  
हृव निहृउव लिउषा पिक कु भउ जिउ उभु मयिउ केरु ॥ क  
एवः ॥ ०५ ॥ ॥ ७ उतिग भमपु विग मिउ मेरुदल दगीटीक मंप्रल ॥  
रुद्रम वेठवीउ भम ॥ मंभु पेइवाति ॥ रविब भगो माइउ ॥ ॥ ॥ ॥



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



